● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 165, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरुवार, 24 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

कृषि मंत्री के बयान से नाराज हुए सीएम फडणवीस 5

राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक पर राजीव की प्रतिक्रिया 6

स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं के लिए तैयार करें पाठ्यक्रम : राज्यपाल

युवाओं के लिए आईटी और एग्रीकल्चर क्षेत्र में शुरू हुए रोजगार परक कोर्स : डॉ. यादव

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं को पहचान कर विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम तैयार करें। उन्होंने प्रदेश में देश विदेश से निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल की सराहना की है। अपेक्षा की है कि निवेश परियोजना क्रियान्वयन के साथ ही उद्योग में रोजगार के लिए उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध कराने के लिए कोर्स प्रारम्भ करें, जिससे परियोजना शुरू होने के साथ ही आवश्यकता अनुसार स्थानीय स्तर के युवा उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज करेंसी का जमाना है, लेकिन स्किल (कौशल) ही करेंसी है, भारत इसे अच्छी तरह समझता है। इसीलिए हम नवाचार करते हुए कौशल विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। मध्यप्रदेश एक कृषि प्रधान और तेजी से बढ़ता राज्य है। इसीलिए हम खेती की पढ़ाई को सामान्य महाविद्यालयों तक लेकर गए हैं। अगर कोई युवा खेती में करियर बनाना चाहे तो उसे आधुनिक तकनीक की जानकारी होनी चाहिए। विश्वविद्यालयों के दायरे विस्तृत होने चाहिए। सभी कोर्स यहां से संचालित होने चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उक्त विचार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विकसित मध्यप्रदेश @2047 'रोजगार आधारित शिक्षा-रूझान एवं नए अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही है। कार्यशाला का आयोजन बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में किया गया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय रोजगार आधारित शिक्षा-रूझान एवं नए अवसर कार्यशाला समय की आवश्यकता है। भविष्य की तैयारी का सशक्त मंच है। रोजगार केन्द्रित शिक्षा और विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश के योगदान को बढ़ाने की प्रभावी पहल है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शिक्षा समाज की रीढ़ है। यह समय के साथ तालमेल बैठाने, नवाचारों को अपनाने और नवीन अवसरों का लाभ उठाने के लिए व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को सक्षम बनाती है। इसलिए हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों तक सुलभ पहुंच देने के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा से मनुष्य का समग्र विकास होता है। यह आयोजन को बदलते दौर में रोजगार आधारित शिक्षा और अवसरों का विकास करने के क्रम किया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर पर 28 जुलाई को होगी चर्चा,16 घंटे होगी बहस

पीएम मोदी की मौजूदगी में राजनाथ देंगे जवाब

नई दिल्ली। राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यसभा में अगले हफ्ते से दो दिन तक 16 घंटे की चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की।

यह बैठक पहले सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उसी दिन शाम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बैठक के बाद कांग्रेस के राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विपक्ष ने एक सुर में मांग की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा अगले हफ्ते से शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस पर चर्चा शुरू होने के एक दिन बाद राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिए। वहीं, अब जानकारी सामने आई है कि ऑपरेशन सिंदूर पर 28 जुलाई से लोकसभा में चर्चा शुरू होगी। सदन में इस पर 16 घंटे तक चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान मौजूद रहेंगे। जबकि, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस पर जवाब देंगे।

प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह एक सामान्य बहस होनी चाहिए, कोई प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी की मांग की और सरकार ने आश्वासन दिया है कि प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि संसद के दोनों सदनों में पहलगाम हमले, बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) और अन्य मुद्दों को लेकर लगातार हंगामा हो रहा है, जिसकी वजह से कार्यवाही बार-बार स्थगित की जा रही है।

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में आएगा जन विश्वास बिल

13 विभागों की 45 धाराएं होंगी संशोधित

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में जन विश्वास बिल 2.0 पेश करने जा रही है। यह बिल राज्य में पुराने और सख्त कानूनों को आसान बनाने की दिशा में एक और कदम है। खास बात यह है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जो इस बिल का दूसरा चरण ला रहा है। इससे पहले जन विश्वास बिल 1.0 के तहत राज्य सरकार ने 5 विभागों के 8 कानूनों की 64 धाराओं में बदलाव किया था। अब बिल के दूसरे चरण में सरकार 13 विभागों के 23 कानूनों की कुल 45 धाराओं में संशोधन करने जा रही है। बिल का उद्देश्य आम जनता और

उद्यमियों को अनावश्यक कानूनी झंझटों से राहत देना है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर इन प्रस्तावित बदलावों पर चर्चा की और उन्हें अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बिल का मुख्य उद्देश्य सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' नीति को और बेहतर बनाना है, ताकि आम नागरिकों और व्यापारियों को सरल और न्यायसंगत प्रक्रिया का लाभ मिल सके।

छोटी-मोटी गलतियों पर अब जेल नहीं होगी, बल्कि दंड या जुर्माने का प्रावधान रहेगा। एंटी मीजल्स वैक्सीनेशन एक्ट 1968 को हटाया जाएगा। यह कानून खसरा वैक्सीन को अनिवार्य बनाता था। गृह विभाग का एनाटॉमी एक्ट भी बदला जाएगा। नगरीय प्रशासन विभाग की नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 208 और नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 195 में संशोधन होंगे। मोटरयान कर नियमों में बदलाव कर जुर्माने की जगह दंड का प्रावधान किया जाएगा।

भारत ने पासपोर्ट रैंकिंग में लगाई छलांग

नई दिल्ली। भारत ने जनवरी 2025 के बाद से अपनी पासपोर्ट रैंकिंग में बड़ा सुधार दर्ज किया है, और 85वें से 77वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत की पासपोर्ट रैंकिंग आठ स्थान ऊपर चढ़ गई है। भारत को 59 देशों के लिए वीजा पहुंच प्राप्त हो गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग में इसकी पुष्टि हुई है। सिंगापुर ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, उसे दुनिया भर के 227 गंतव्यों में से 193 तक वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान की गई है। जुलाई 2025 में प्रकाशित यह रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ के विशिष्ट आंकड़ों पर आधारित है और यह उन गंतव्यों की संख्या दर्शाती है जहां पासपोर्ट बिना पूर्व वीजा के प्रवेश की अनुमति देता है।

मानसून सत्र के तीसरे दिन भी नहीं थमा हंगामा

नई दिल्ली। आज संसद के मानसून सत्र का तीसरा दिन है, हालांकि विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित हो गई है। वहीं, संसद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के बीच बैठक चल रही है। बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची पुनरीक्षण, ऑपरेशन सिंदूर और ऐसे कई मुद्दों पर विपक्षी सांसदों का हंगामा दोपहर दो बजे के बाद भी जारी रहा। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने सांसदों से शांति बनाए रखते हुए सदन में व्यवस्था बनाने और कार्यवाही चलाने में मदद करने की अपील की। उन्होंने हंगामा नहीं थमता देख महज 3-4 मिनट की कार्यवाही के बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार, 24 जुलाई की सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी।

दोपहर दो बजे पीठासीन सभापति भुबनेश्वर कालिता ने राज्यसभा में भी सदन की कार्यवाही शुरू कराई। हालांकि, विपक्षी खेमे के सांसदों की नारेबाजी नहीं थमने के कारण कार्यवाही बाधित हुई। केवल चार मिनट की कार्यवाही के बाद पीठासीन सभापति ने कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

विपक्षी दलों के शोरगुल और हंगामे के बावजूद पीठासीन सभापति संध्या राय ने लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे दोबारा शुरू कराई। विपक्षी दलों की तरफ से हो रही नारेबाजी और शोरगुल के बीच सांसदों-मंत्रियों ने सदन के पटल पर अहम प्रपत्र और रिपोर्ट पेश किए। हंगामा नहीं थमता देख सभापति संध्या राय को सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही भी 12 बजे शुरू हुई। पीठासीन सभापति घनश्याम तिवारी ने सदस्यों ने शांति बनाए रखने की अपील की और सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करने की बात कही। हालांकि, सदस्यों का हंगामा जारी रहा और सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगति कर दी गई।

ब्रिटिश पीड़ितों के परिजन बोले- गलत शव सौंपे गए

नई दिल्ली। एअर इंडिया के दुखद विमान हादसे में मारे गए ब्रिटिश नागरिकों के परिजनों को कथित तौर पर उनके प्रियजनों के गलत शव भेज दिए गए हैं। डेली मेल के हवाले से टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। खबर के अनुसार, अब तक ऐसे दो मामले सामने आए हैं जहां शोकाकुल परिवारों को पता चला कि उनके प्रियजनों के शवों की ब्रिटेन लौटने से पहले गलत पहचान की गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मामला तब सामने आया, जब इनर वेस्ट लंदन की कोरोनर डॉ. फियोना विलकॉक्स ने परिवारों की ओर से उपलब्ध कराए गए नमूनों के साथ उनके डीएनए का मिलान करके ब्रिटेन भेजे गए ब्रिटिश नागरिकों की पहचान सत्यापित करने की कोशिश की।

भाषा विवाद पर राज्यपाल राधाकृष्णन ने जताई चिंता

कहा- भाषाई नफरत से राज्य को होगा नुकसान

मुंबई। महाराष्ट्र में छिड़े भाषा विवाद पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भाषाई नफरत से राज्य को नुकसान होगा। साथ ही उद्योग और निवेश पर भी असर पड़ेगा। इससे दूर रहने की जरूरत है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर एक कॉफी टेबल बुक के विमोचन के अवसर पर राधाकृष्णन ने पूछा कि यदि आप आएं और मुझे पीटें, तो क्या मैं तुरंत मराठी में बात कर सकता हूं? अगर इस तरह की नफरत फैलाई गई तो राज्य में कोई उद्योग और निवेश नहीं आएगा। लंबे समय में हम राज्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि जब वह तमिलनाडु में सांसद थे तो उन्होंने एक समूह को दूसरे समूह की पिटाई करते देखा क्योंकि वे तमिल में बात नहीं कर रहे थे।

भौतिकतावाद से जूझ रही दुनिया हमारी ओर देख रही: भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों का आह्वान किया कि वे भारतीयता को आत्मसात करें और दुनिया को उसकी सभी समस्याओं का समाधान दिखाएं। दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, भौतिकतावाद के कारण दुनिया कई समस्याओं का सामना कर रही है और अब जवाब के लिए भारत की ओर देख रही है क्योंकि पिछले 2000 वर्षों में पश्चिमी विचारों पर आधारित लोगों के जीवन में खुशी और संतोष लाने के सभी प्रयास

विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, दुनिया में विज्ञान और आर्थिक प्रगति के क्षेत्र में हुई सभी प्रगति ने विलासिता की चीजें ला दीं और लोगों के जीवन को आसान बना दिया, लेकिन दुखों को खत्म नहीं कर सकी। इग्नू और अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा, शोषण बढ़ा, गरीबी बढ़ी। गरीब और अमीर के बीच की खाई दिन-ब-दिन बढ़ती ही गई। प्रथम विश्व युद्ध के बाद शांति की वकालत करने वाली कई किताबें लिखी गईं, भविष्य में फिर से युद्ध न हो, इसके लिए राष्ट्र संघ का गठन किया गया, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन हुआ। लेकिन आज हम सोच रहे हैं कि क्या तीसरा विश्व युद्ध होगा। भागवत ने कहा, भारतीयता ही आज दुनिया के सामने मौजूद सभी समस्याओं का एकमात्र समाधान है। भारत का होने का क्या अर्थ है? भारतीयता नागरिकता नहीं है। बेशक, नागरिकता आवश्यक है। लेकिन, भारत का हिस्सा बनने के लिए भारत का स्वभाव होना जरूरी है। भारत का स्वभाव पूरे जीवन के बारे में सोचता है। हिंदू दर्शन में चार पुरुषार्थ हैं... मोक्ष जीवन का अंतिम लक्ष्य है। भारत का स्वभाव धर्म दृष्टि पर आधारित है। उन्होंने कहा, धर्म के इसी अनुशासन के कारण भारत कभी सबसे समृद्ध राष्ट्र था और दुनिया इसे जानती है।

संघ प्रमुख ने कहा, यही कारण है कि दुनिया भारत की ओर देखती है, इस उम्मीद में कि यह उन्हें एक नया रास्ता दिखाएगा।

यूपी के गाजियाबाद की आलीशान कोठी में अवैध दूतावास, पकड़ा गया फर्जी राजदूत

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) नोएडा की टीम ने कविनगर में चल रहे अवैध दूतावास का भंडाभोड़ किया है। टीम ने अवैध दूतावास का संचालन करने वाले आरोपी हर्षवर्धन निवासी कविनगर को गिरफ्तार किया है। हर्षवर्धन जैन खुद को वेस्ट आर्कटिका, सबोरगा, पॉल्विया और लॉडोनिया देशों का कौंसिल एंबेसेडर बताता था, जबकि ऐसे नाम कोई देश नहीं हैं। आरोपी से विदेशी राजनयिकों के लिए प्रयोग होने वाली वाहनों की कई नंबर प्लेट भी बरामद हुई हैं।

टीम के अनुसार, हर्षवर्धन जैन का पूर्व में चंद्रास्वामी और इंटरनेशनल आर्म्स डीलर अदनान खगोशी से संपर्क उजागर हुआ है। आरोपी के पास से चार डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट लगी लग्जरी गाड़ियां, माइक्रोनेशन देशों के 12 डिप्लोमेटिक पासपोर्ट, विदेश मंत्रालय की मोहर लगे दस्तावेज, दो फर्जी पैन कार्ड, 47.70 लाख रुपये आदि बरामद किए गए हैं।

बांग्लादेश विमान हादसे में 32 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में हुए विमान हादसे में अब तक 32 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में अधिकांशतः बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद बांग्लादेश में शोक का माहौल है। वहीं लोगों में आक्रोश भी है। लोगों ने मृतकों का सही आंकड़ा जारी करने और मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को ढाका के उत्तरा क्षेत्र के दियाबारी इलाके में माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में गिर गया था। इसके बाद विमान में आग लग गई थी। बुधवार को घटनास्थल माइलस्टोन स्कूल के अधिकारियों ने मृतकों की सही संख्या, घायल छात्रों और शिक्षकों की संख्या का पता लगाने के लिए अपनी समिति गठित की।

जन सुराज के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

पटना। मतदाता पुनरीक्षण, बढ़ते अपराध और सरकारी वादाखिलाफी जैसे मुद्दों को लेकर पटना में विधानसभा घेराव करने निकली प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के प्रदर्शनकारियों को बुधवार को पुलिस के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। सुबह 11 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर अपनी टीम के साथ विधानसभा पहुंचने वाले थे, लेकिन चितकोहरा गोलंबर के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान भारी लाठीचार्ज हुआ, जिसमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए। दोपहर एक बजे तक भी जन सुराज की टीम धरनास्थल या विधानसभा के पास नहीं पहुंच सकी। प्रशांत किशोर के नेतृत्व में हजारों समर्थकों की भीड़ जैसे ही पटना के बेली रोड होते हुए एयरपोर्ट से गर्दनीबाग स्थित धरना स्थल की ओर बढ़ी, चितकोहरा गोलंबर के पास पुलिस ने रास्ता रोक दिया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जमकर नोकझोंक हुई, जिसके बाद लाठीचार्ज शुरू हो गया। कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए और अफरातफरी मच गई।

जन सुराज पार्टी की ओर से तीन गंभीर मुद्दों को लेकर इस प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। पहला मुद्दा था कि गरीब परिवारों को रोजगार के लिए सरकार द्वारा घोषित दो लाख रुपये की सहायता अब तक क्यों नहीं मिली। दूसरा यह कि दलित भूमिहीन परिवारों को तीन डिसमिल जमीन क्यों नहीं दी गई और तीसरा था कि भूमि सर्वेक्षण में व्याप्त भ्रष्टाचार पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

चुनाव आयोग ने शुरू की उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद चुनाव आयोग एक्शन मोड में आ गया है। आयोग ने नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव से संबंधित तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारी संबंधी गतिविधियां पूरी होने के बाद जल्द ही उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया था।

चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गृह मंत्रालय ने 22 जुलाई 2025 को एक अधिसूचना के जरिये भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की सूचना दी है। इसमें कहा गया कि चुनाव आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कराने का अधिकार प्राप्त है। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम 1952 और इसके तहत बने नियमों (राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम 1974) द्वारा कराया जाता है।

आयोग ने कहा कि हमने उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 से संबंधित तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारियां पूरी होने के बाद उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। आयोग ने कहा कि

निर्वाचक मंडल की तैयारी, जिसमें राज्यसभा एवं लोकसभा के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य शामिल होते हैं शुरू कर दी गई है। इसके अलावा रिटर्निंग ऑफिसर / सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोग ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति चुनावों से संबंधित जानकारियों और रिकॉर्ड को देखा जा रहा है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सांसद, राज्यसभा में मनोनीत 12 सांसद और लोकसभा के 543 सांसद वोट डाल सकते हैं। इस तरह के कुल 788 लोग वोट डाल सकते हैं। हालांकि, चुनाव आयोग जब उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीखों का एलान करेगा, तब वह लोकसभा और राज्यसभा में सभी मौजूदा सदस्यों की गिनती करेगा।संविधान के अनुच्छेद 66 में उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया का जिक्र है। यह चुनाव अनुपातिक प्रतिनिधि पद्धति से किया जाता है, जो कि लोकसभा या विधानसभा चुनाव की वोटिंग प्रक्रिया से बिल्कुल अलग है। उपराष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग सिंगल ट्रांसफरेबल वोट सिस्टम से होती है। चुनाव में खड़े होने के लिए किसी भी व्यक्ति को कम से कम 20 संसद सदस्यों को प्रस्तावक और कम से कम 20 संसद सदस्यों को समर्थक के रूप में नामित कराना होता है। उपराष्ट्रपति का प्रत्याशी बनने के लिए 15 हजार रुपए की जमानत राशि जमा करनी होती है। नामांकन के बाद फिर निर्वाचन अधिकारी नामांकन पत्रों की जांच करता है और योग्य उम्मीदवारों के नाम बैलट में शामिल किए जाते हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में संसद के दोनों सदनों के सदस्य वोट डालते हैं। इनमें राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी शामिल होते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में निर्वाचित सांसद और सभी राज्यों के विधायक मतदान करते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मनोनीत सांसद वोट नहीं डाल सकते हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐसा नहीं है। उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐसे सदस्य भी वोट कर सकते हैं।

हर सदस्य का दायित्व समयानुसार बदलता रहता है : सम्पतिया

कार्यकर्ता बैठक के साथ ही सम्पन्न हुई प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण बैठक

सिंगरौली। म.प्र. शासन की लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिक विभाग मंत्री और सिंगरौली की प्रभारी मंत्री सम्पतिया उईके दो दिवसीय प्रवास पर जिले में पहुंची हैं। जहां उन्होंने प्रथम दिवस के प्रथम कार्यक्रम में मंत्री ने सूर्या भवन विंध्यनगर के सभागार में जिले भर के भाजपा पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। एक औपचारिक बैठक में प्रभारी मंत्री ने समस्त कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से संवाद किया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने की।

स्वागत उद्बोधन में सर्व प्रथम जिलाध्यक्ष ने काफी अंतराल बाद जिले में प्रभारी मंत्री के आगमन पर उनका अभिनंदन किया तथा कार्यकर्ताओं को बताया कि प्रभारी मंत्री ने उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए सबसे पहले कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने का कार्यक्रम निर्धारित किया। जिस निमित्त यह बैठक आयोजित हुई है। जिलाध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री को बताया कि जिले के ज्यादातर मंडलों के नये अध्यक्ष नियुक्त हो गये हैं तथा उनकी कार्यकारिणी नई ऊर्जा के साथ काम कर रही है। प्रभारी मंत्री ने कार्यकर्ताओं से सबसे पहले परिचय प्राप्त किया तथा अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है और हम सभी इस परिवार के सदस्य हैं। हर सदस्य का दायित्व समयानुसार बदलता रहता है, परन्तु महत्व हर सदस्य का बराबर का रहता है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मंडलों की नई कार्यकारिणी आ गई है और वो पूरी ऊर्जा के साथ काम कर रही है। अब जिले में भी नई कार्यकारिणी आयेगी तथा उसके पश्चात मोर्चा एवं प्रकोष्ठों की भी कार्यकारिणी का गठन होगा। हर प्रतिभावान कार्यकर्ता को उसकी योग्यतानुसार दायित्व दिया जाएगा तथा उसको कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। समस्त वरिष्ठ और जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श कर जिलाध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी की रूप रेखा तय करेंगे तथा प्रदेश संगठन के अनुमोदन पश्चात कार्यकारिणी की घोषणा होगी। इसी प्रकार अन्य मोर्चे तथा प्रकोष्ठों के जिला प्रमुखों की नियुक्ति होगी तथा उनकी जिले तथा मंडलों की कार्यकारिणी गठित होगीं। जिले के प्रत्येक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को कार्य का अवसर दिया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने कहा कि संगठन में कार्य करने के लिये समय देना पड़ता है, इसलिए समय का दान संगठन में सबसे बड़ा माना जाता है। इन बैठकों में मुख्य रूप से राज्यमंत्री राधा सिंह जिले की संगठन प्रभारी प्रज्ञा त्रिपाठी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम सुमिरन गुप्ता, वीरेंद्र गोयल, विधायक रामनिवास शाह, राजेन्द्र मेश्राम, विश्वामित्र पाठक, कुंवर सिंह टेकाम, सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, जिला महामंत्री राजकुमार दुबे, लालपति साकेत समेत समस्त जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष एवं पदाधिकारी तथा जिले भर से आये कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

बड़े हादसे के बाद भी आईसीडीएस डीपीओ की नहीं खुली नींद

वन स्टाफ सेंटर का हाल, स्टाफ रखने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा हैं प्रशासन

सिंगरौली

वन स्टाफ सेंटर बैढ़न में पिछले सप्ताह एक किशोरी बालिका के द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद भी महिला एवं बाल विकास विभाग के जिम्मेदार अधिकारी स्टाफ की नियुक्ति करने से कतरा रहे हैं। जबकि वन स्टाफ सेंटर में केवल 11 में से 4 ही मौजूदा समय में कर्मचारी हैं।

गौरतलब है कि वन स्टाफ सेंटर सिंगरौली में काउंसलर समेत वन स्टाफ की कमी के चलते पिछले सप्ताह बरगवां थाना क्षेत्र की एक आदिवासी बालिका वन स्टाफ केंद्र परिसर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जहां वन स्टाफ सेंटर उक्त घटना को लेकर काफी चर्चा में है। वही पूर्व जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजेश राम गुप्ता की भूमिका सत्ता पक्ष से लेकर विपक्षी दल मजिस्ट्रेटियल जांच करने की जहां मांग करने लगे हैं, वहीं वर्तमान डीपीओ की कार्य प्रणाली पर भी तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं। वन स्टॉप सेंटर में उक्त हादसा होने के बावजूद

डीपीओ की नींद क्यों नहीं टूट रही है, इस पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि वर्तमान डीपीओ भी नए स्टाफ रखने के पक्ष में नहीं हैं, इसीलिए टाल मटोल कर रहे हैं।

पूर्व डीपीओ के कारनामों की हो जांच

आम आदमी पार्टी सिंगरौली के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश सोनी का कहना है कि महिला एवं बाल विकास विभाग सिंगरौली में पूर्व सदस्य डीपीओ राजेश राम गुप्ता के कार्यकाल में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति से लेकर सामग्रियों के खरीदी एनसीएल सीएसआर के मद की राशि का दुरुपयोग किया गया है। इतना ही नहीं केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना पर पलीता लगाने में अहम भूमिका निभाई गई है। पूर्व डीपीओ की हिटलर शाही रवैया के चलते वन स्टाफ सेंटर करीब-करीब खानापूर्ति तक सीमित रह गया है । आप नेता ने आगे कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है। पिछले 3 साल के की जांच हो तो कई चौंकाने वाले मामले सामने आएंगे।

प्रधान मंत्री के छोटे भाई प्रहलाद मोदी का एक दिवसीय प्रवास खटाई में

सिंगरौली। विकास खंड चितरंगी के ग्राम पंचायत खटाई में श्रावण मास के पावन बेला में अड़गन्नाथ बाबा शिवमंदिर खटाई में 23 से 27 जुलाई तक महामृत्युंजय अनुष्ठान एवं रुद्राभिषेक किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में अड़गन्नाथ बाबा का दर्शन करने के लिए देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के छोटे भाई प्रहलाद मोदी का अगवान 27 जुलाई को दोपहर 12 बजे होगा। 27 जुलाई को सुबह 7 बजे बनारस से बाई कार खटाई के लिए रवाना होंगे। अनुष्ठान में शामिल होकर पुलिस निरीक्षक कमलेश साहू के घर में विश्राम करेंगे। सुबह 7 बजे 28 जुलाई को बाई कर बनारस के लिए प्रस्थान करेंगे। जिसकी तैयारी को लेकर एसडीओपी चितरंगी राहुल सिंह सैयाम एवं पुलिस निरीक्षक सुधेश तिवारी द्वारा बीते कल शाम शिवमंदिर और विश्राम गृह का स्थल निरीक्षण किया।

आधे घंटे के रास्ते को पूरा करने में छूट रहे पसीने, फिर भी जिम्मेदार बेपरवाह

मामला सिंगरौली-गोरबी एवं बरगवां मार्ग का

सिंगरौली। जिले से सीधी जिले तक एनएच 39 के निर्माणाधीन सड़क की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं है। शायद इसलिए इस मुद्दे पर लाचार यहाँ के जनप्रतिनिधि इस पर बोलने और जमीनी स्तर पर काम करने से कतराते दिखते हैं। यही कारण है कि इस मार्ग को लेकर झेलना यहां की आम जनता और यात्रियों को पड़ता है, जो जाम की स्थिति से प्रतिदिन जूझने को मजबूर हैं।

सिंगरौली-गोरबी मार्ग हो या गोरबी-बरगवां मार्ग राहगीर यहां अक्सर जाम में फंसे दिखते हैं। करीब 20 से 30 मिनट का यह रास्ता लोगों को घंटे में पूरा करने को मजबूर होना पड़ता है। बरसात के

दिनों में तो स्थिति और भी भयावाह हो जाती है। इस कशमकश में गुजरते हुए कई बार लोगों को चोटिल भी होना पड़ता है, तो कई बार गड्ढों में फसकर उनके महंगे वाहन को नुकसान होता है। आज दिन बुधवार की शाम भी यात्री इस मार्ग पर जाम में जूझते दिखे। गौरतलब है कि म.प्र. शासन की कैबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उईके आज से दो दिनों के सिंगरौली दौरे पर हैं। यहां वह कई बैठक करेंगी। जिसमें पार्टी की गतिविधियों समेत कलेक्ट्रेट सभागार में भी जिले के समस्त विभागों की समीक्षा बैठक में भी शामिल होंगी। परंतु शायद सिंगरौली के विकास कार्यों में यहाँ की सड़क का मुद्दा उनके लिए जरूरी नहीं होगा। बहरहाल सिंगरौली की जनता को जनप्रतिनिधियों से अभी भी आस है कि शायद कोई नेता यहां के सड़क मार्गों को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए कोई ठोस उपाय करे।

गैस पाइपलाइन डाले जाने से कई जगहों पर सड़को पर चलना हो गया मुश्किल

सिंगरौली। शहर में जब भी कभी निर्माण कार्य कराया जाता है बीच में व्यवधान जरूर उत्पन्न हो जाता है। पहले अमृत जल योजना के चलते जगह-जगह पर सड़के टूटी और आधा अधूरा काम देखने को मिला। फिर सीवर लाइन वालो ने सड़को गलियों में चलने लायक नही छोड़ा और अब गैस पाइपलाइन डालने की वजह से जाम और फिसलन देखने के लिए मिल रही है। काम कराते समय ठेकेदार के द्वारा सेफ्टी के तौर पर वैरीकेट किया जाना चाहिए और रस्सी वगेरह बांधकर कार्य कराया जाना चाहिए, चिकनी मिट्टी की वजह से फिसलन हो रही है आवागमन करने वालो को।

एनटीपीसी विंध्याचल राजभाषा अनुभाग ने किया आंचलिक काव्य गोष्ठी का आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल के मानव संसाधन राजभाषा अनुभाग द्वारा परियोजना के प्रशासनिक भवन के सीवी रमन सभागार में आंचलिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। परियोजना के राजभाषा अनुभाग द्वारा वर्ष भर इस प्रकार की अनेक काव्य गोष्ठियों का आयोजन राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं परियोजना में साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जाती हैं। इन काव्य गोष्ठियों के माध्यम से परियोजना

के कर्मचारी कवियों एवं शिक्षकों की काव्य प्रतिभा को सिंचित करने एवं उन्हें एक उचित मंच प्रदान करने की कोशिश की जाती है।

सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख संजीब कुमार साहा महाप्रबंधक, एजे राजकुमार मुख्य चिकित्साधिकारी, विनोद कुमार भराली महाप्रबंधक, डीके अग्रवाल, सत्येंद्र कुमार सिन्हा, मनिकयन सुरेश एवं उपस्थित कविगणों का मानव संसाधन प्रमुख राकेश अरोड़ा द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर अभिनंदन किया गया। परियोजना प्रमुख संजीब कुमार साहा नें अपने उद्बोधन में राजभाषा अनुभाग द्वारा किए गए इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए सभी कवि एवं कविगणों के काव्य पाठ को सराहा तथा आगे भी इस तरह का आयोजन किए जाने के लिए बल दिया। इस अवसर पर भारी संख्या में कर्मचारीगण मौजूद रहे।

एनटीपीसी सिंगरौली में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली-शक्तिनगर में सत्र के विश्व जल दिवस, पृथ्वी दिवस एवं विश्व पर्यावरण दिवस के तहत कर्मचारियों, संविदा कर्मचारियों व आम जनमानस में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए।

इस संबंध में बीते 22 जुलाई को स्थानीय कर्मचारी विकास केंद्र के सरस्वती सभागार में उल्लेखित सभी अवसरों पर हुए तमाम प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें सभी विजेता एवं उप विजेता प्रतिभागियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बतौर राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। एनटीपीसी सिंगरौली में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर राजीव अकोटकर ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को सार्थक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

नशा का दुष्प्रभाव स्वास्थ्य और शिक्षा पर पड़ता है: जमुना

शासकीय महाविद्यालय देवसर में नशे से दूरी है जरूरी अभियान कार्यक्रम आयोजित

सिंगरौली। शासकीय महाविद्यालय देवसर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ के तत्वाधान में नशा मुक्ति विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिंगरौली जिला पर्यावरण की नोडल पूनम गुप्ता ने

छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। नशा किस प्रकार से जीवन को बर्बाद करता है, कई लोग रोड एक्सीडेंट में अपनी जान गंवा देते हैं, जिसका कारण नशा ही होता है । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य जमुना प्रसाद नामदेव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रों को नशे से दूरी बनाने की सलाह दी तथा बताया की यह नशा सब कुछ बर्बाद कर देता है और इसका दुष्प्रभाव स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों पर बहुत ज्यादा है। नशा मुक्ति कार्यक्रम के बाद पर्यावरण को हरा भरा बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विद्याचरण द्विवेदी ने किया तथा अतिथियों का आभार महा. के स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय ने किया । कार्यक्रम में महाविद्यालय का संपूर्ण स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

शिक्षा ऐसी ग्रहण करे कि जिले की उन्नति के लिए प्रयत्नशील रहें : राजा बाबा

राजमाता सिंगरौली स्व.चूनकुमारी सेवा संस्थान ने टॉपर विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

सिंगरौली। मानवीय और नैतिक मूल्यों के साथ आप सभी को सिंगरौली का नाम ऊंचा करना है। अपने परिवार, समाज, गांव और जिले की उन्नति के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहना है। जिले में उच्चतर माध्यमिक परीक्षा वर्ष 2025 की मेरिट में आने वाले टॉप 10 छात्र-छात्राओं को 40-40 हजार रुपये बतौर प्रोत्साहन राशि वितरित करते हुए संस्था के अध्यक्ष बीपी सिंह राजाबाबा ने उक्त उद्गार व्यक्त किए। यह प्रोत्साहन राशि राजमाता सिंगरौली स्व. चुनकुमारी सेवा संस्थान के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता लाने के उद्देश्य से दी जाती है। कार्यक्रम

में उपस्थित संस्था की सचिव रानी वीणा सिंह ने कहा कि हमारे समय में सिंगरौली को कोई नहीं जानता था और बिजली भी नहीं आती थी। उन दिनों पढ़ाई करना भी काफी कठिन था। अब स्थितियों अलग हैं, आप लोगों को ईमानदारी से अध्ययन करना है और आगे बढ़ना है। वही मुख्य अतिथि भुवनेश्वर प्रताप सिंह ने भी बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप आज से ही प्रयत्न शुरू कीजिए कि प्रतिदिन एक व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सकें। आप ऐसा कर पाए तो आप सफल हैं। उन्होंने उपस्थित छात्रों को एक सफल व्यक्ति बनने के लिए टिप्स दिए। प्रोत्साहन राशि पाने वाले छात्र-छात्राओं में कजलवा साकेत, विवेक सिंह बैस, सूरज कुमार यादव, खुशी साहू, वीरभद्र केशरवानी, दिनकर कुमार शाह, विपिन यादव, शिव कुमार बैस, कृष्णानंद पटेल और मनीष कुमार पनिका शामिल रहे। वही यह आयोजन मुख्य रूप से मेधावी बच्चों को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए यह राशि प्रदान की गई। समारोह में संस्था में मुख्य अतिथि भुवनेश्वर प्रताप सिंह के साथ संस्था के अध्यक्ष बीपी सिंह राजा बाबा संस्था की सचिव वीणा सिंह, कोषाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अलावा छात्रों के माता-पिता एवं अभिभावक भी शामिल हुए। कार्यक्रम में जिले के सहायक संचालक शिक्षा विभाग आरडी साकेत व डॉ. अरूण कुमार चतुर्वेदी मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना//

क्रमांक-756/ई-टेंडर/विदयुत/न.पा.नि./2025 — रीवा, दिनांक 22-07-2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_439255_1 22.07.2025 [FIRST CALL] 756/22.07.2025	"Selection of Firm" for replacement of damaged LED fixture along with comprehensive Operation & Maintenance of illumination infrastructure in various wards for 03 years, including supply of required electrical material at no additional cost under Rewa Municipal Corporation (M.P.)	36 माह ₹792.00 लाख	₹20000.00 ₹396000.00	22.08.2025 18:55 बजे तक।

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (विद्युत)
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

सीधी

प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने बताया कि विगत दिनों में जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट सीधी से क्षेत्रीय स्तर की वॉलीबाल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए टीम शाजापुर रवाना हुई थी। दिनांक 17 जुलाई से 19 जुलाई 2025 तक सम्पन्न वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर बालिका वर्ग के यू-19, यू -17 एवं यू-14 में प्रथम स्थान एवं बालक वर्ग में यू-14 एवं यू- 17 में उपविजेता होने का गौरव प्राप्त किया । उक्त प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा राज्य के लगभग 280 खिलाड़ीयों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में अपने विद्यालय से 05 छात्राओं एवं 03 छात्रों ने भाग लिया। आशिन भगत, संध्या रावत, कनक कुसुम, वीना सिंह, नंदिता सिंह, अंश मरकाम, धीरेन्द्र सिंह एवं सौरभ सिंह ने भाग लिया। इनके अलावा अभी तक विभिन्न खेलो में 12 छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु चयनित हो चुके हैं।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने विद्यालय के खिलाड़ियों एवं खेल प्रभारी श्री रवि पांडेय एवं श्रीमती सुचिता की कड़ी मेहनत की सराहना की। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर सहायक आयुक्त आर के वर्मा एवं श्रीमती दीक्षा ज्योति मिश्रा सहायक आयुक्त एवं बिलासपुर संकुल प्रभारी एन वी एस आरो भोपाल ने बधाई दी। विद्यालय की इस उपलब्धि पर सीधी जिले के कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी एवं अपर कलेक्टर श्री अंशुमन राज ने बधाई दी। विद्यालय के प्राचार्य के द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर टीम भेजने के लिए संपूर्ण सुविधा प्रदान की गई। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा विद्यालय की इस सफलता पर विद्यालय के सभी खिलाड़ियों, स्टाफ एवं उच्च प्रशासनिक को बधाई दी गई। साथ ही प्राचार्य द्वारा समस्त जिला प्रशासन एवं मीडिया का भी आभार व्यक्त किया गया ।

जिले में औसत वर्षा 769.9 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा बहरी में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 23 जुलाई को सीधी जिले में 6.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 26.0 मि.मी., चुरहट में 16.2 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 0.0 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 19.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 769.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 23 जुलाई तक तहसील बहरी में सर्वाधिक वर्षा 876.7 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 657.5, चुरहट में 662.0, गोपद बनास में 704.0, सिहावल में 857.6, मझौली में 858.0 मि.मी. और कुसमी में 773.5 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 205.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 564.0 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

केंद्रीय रेल मंत्री से मिले सांसद डॉक्टर मिश्रा, की विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

भू अधिग्रहण के बदले मिले रोजगार

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा संसद मे चल रहे मानसून कालीन सत्र के दौरान आज संसद भवन में केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर अंचल में व्याप्त रेलवे से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे सिंगरौली-निजामुद्दीन एक्सप्रेस के नियमितीकरण, सिंगरौली- भोपाल एक्सप्रेस को इंदौर तक बढ़ाकर नियमित करने, सिंगरौली से इंदौर के लिए नई वंदे भारत स्वीकृत करने, ललितपुर- सिंगरौली रेल परियोजना के भाग रीवा से सिंगरौली के मध्य भू अधिग्रहण के बदले रोजगार प्रदान करने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा उपरांत माग पत्र सौपा। केंद्रीय रेल मंत्री से मिलने के पश्चात लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि रेलवे के आधुनिकीकरण और बिस्तार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार निरंतर सजग और सक्रिय है। इसके पूर्व रेलवे में भू अधिग्रहण के बदले लोगों को रोजगार मिल रहा था किंतु कतिपय कारणो से बीच में यह कार्य अवरुद्ध हुआ। भू अधिग्रहण के बदले लोगों को पुन: रोजगार मिले, ऐसी मांग केंद्रीय रेल मंत्री से की है और क्षेत्र वासियों की मंशा से भी अवगत कराया है। जिस पर केंद्रीय मंत्री ने सभी मांगों को प्राथमिकता से विचार करने की बात कही है।

नगर पालिका ने सांसद डॉक्टर मिश्रा के प्रति जताया आभार

सीधी। नगर पालिका की बैठक में सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा के द्वारा नगर पालिका परिषद को दो शव वाहन एवं शव रखने के लिए फ्रीजर देने के लिए सांसद प्रतिनिधि अमित प्रधान के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया, जिसका सभी पार्षदों ने करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए आभार जताया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में राष्ट्रीय कार्यशाला के शुभारंभ का सीधा प्रसारण दिखाया गया

सीधी। विकसित मध्यप्रदेश 2047 अंतर्गत रोजगार आधारित शिक्षा रुझान एवं नए अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में कुशाभाऊ ठाकरे हाल भोपाल में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डॉ. रामनारायण स्वर्णकार प्राचार्य के निर्देशन में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं को दिखाया गया। उक्त कार्यशाला से छात्र-छात्राओं को रोजगार आधारित शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी एवं विकसित मध्य प्रदेश 2047 के संकल्पना भी पूरी होगी, जिससे मध्य प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू पायेगा।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आर. बी. एस. चौहान, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. के. एस. नेताम सहित समस्त प्राध्यापक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मानवाधिकार सार्वभौमिक है: चंद्रवंशी

सीधी। भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन जिला इकाई सीधी के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी के मुख्य आतिथ्य में जन जागरूकता एवं आई.डी कार्ड वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी द्वारा कहा गया कि मानव अधिकार सार्वभौमिक है। इसलिए ये हर जगह और हर समय लागू होता हैं। मानव अधिकारों से अभिप्राय मौलिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता से है। जिसके सभी मानव प्राणी हकदार हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय संगठन सचिव रवी प्रकाश सिंह द्वारा कहा गया कि मानव अधिकार मूल रूप से वे अधिकार हैं जो प्रत्येक व्यक्ति को इंसान होने के कारण मिलते हैं। अर्थात उनमें नागरिक और राजनैतिक अधिकार सम्मिलित हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय कल्याण सचिव डॉ.अजय चौधरी ने विधिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय सदस्य और मध्यप्रदेश प्रभारी चंद्रकला विश्वकर्मा द्वारा कहां गया कि मानव अधिकार में महिलाओं से संबंधित हिंसा मुक्ति का अधिकार और संपत्ति का अधिकार सहित महिला सशक्तिकरण हेतु कई महत्वपूर्ण अधिकार दिए गए हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश कल्याण सचिव मध्य प्रदेश राकेश मौर्य द्वारा कहा गया कि मानव अधिकारों की रक्षा ही मानवाधिकार है मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के आधार पर राज्य मानवाधिकार आयोग बना। वर्तमान समय में 24 राज्यों में मानवाधिकार आयोग का गठन किया गया है। कार्यक्रम में शिक्षा संरक्षण प्रमुख पी एल वर्मा द्वारा कहा गया कि शिक्षा ही सर्वांगीण विकास की कुंजी है जो प्रमुख मानव अधिकार है। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महासचिव अमित प्रधान और आभार जिला महिला संरक्षण प्रमुख रेखा दुबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर संभागीय सचिव रजनीश कांत मिश्रा, संभागीय कार्यक्रम सचिव प्रशांत नापित, जिलाध्यक्ष अविनाश सिंह, जिला उपाध्यक्ष महेश प्रजापति, जिला शिक्षा संरक्षण प्रमुख रामेश्वर पांडेय, जिला कार्यक्रम सचिव राजबहोर साहू, जिला कल्याण सचिव अनिल सिंह, जिला मीडिया सचिव अरूण दुबे, जिला युवा प्रमुख मोहित वर्मा, जिला कल्याण सचिव राजेश सिंह, दयाशंकर पांडेय, रजनी सेन, जिला उपाध्यक्ष दिनेश बहेलिया, कुंजभान साकेत, दीपक सिंह, सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल का सीधी दौरा कार्यक्रम जारी

सीधी। जिला सत्कार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि श्री दिलीप जायसवाल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग मध्यप्रदेश शासन एवं प्रभारी मंत्री जिला सीधी दिनांक 24.07.2025 को सीधी आयेंगे।

प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल दिनांक 24.07.2025 को सुबह 9.30 बजे सीधी सर्किट हाउस पहुंचेगे।

वह सर्किट हाउस में सुबह 11 बजे जनप्रतिनिधियों/गणमान्य नागरिकों एवं जन सामान्य से भेंट करेंगे। प्रभारी मंत्री दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के समस्त विभागों की समीक्षा बैठक लेंगे। इसके पश्चात प्रभारी स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। प्रभारी मंत्री सायं 6 बजे सीधी से जिला रीवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

मारपीट के आरोपी को 1 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

सीधी। बताया गया किदिनांक 15.07.2020 को फरियादी कुसुमकली अगरिया पति राजकरण अगरिया ने थाना बहरी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अभियुक्त बाकेलाल ने खेत में मवेशियों के घुसने की बात को लेकर फरियादी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट किया। फरियादी की शिकायत पर थाना बहरी में अपराध क्रमांक 271/2020 अंतर्गत धारा 294, 323, 234, 325, 506भादवि पंजीबद्ध किया गया एवं मामला विवेचना में लिया गया । संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्या4यालय सीधी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसके न्यायालयीन प्र.क्र. 1811/2020में शासन की ओर से सशक्तस पैरवी करते हुए सहायक जिला लोक अभियोजनअधिकारी श्रीमती पूजा गोस्वाामी के द्वारा अभियुक्त को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। परिणामस्वरूप माननीय न्योयिक मजिस्ट्रे ट प्रथम श्रेणी, सीधी की न्याअयालय के द्वारा अभियुक्त बाकेलाल उर्फ बाके अगरिया पिता बृहस्पजति अगरिया उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम बदरखडा थाना बहरी जिला सीधी कोधारा 325 भादवि के अपराध में 01 वर्ष के सश्रम कारावास एवं धारा 323 भादवि में छ: माह का सश्रम कारावास एवं कुल 1500/- रूपये अर्थदण्डर की सजा से दंडित किया गया।

डॉ. लक्ष्मण पटेल नेत्र रोग विशेषज्ञ की जिला चिकित्सालय में लगाई गई ड्यूटी

सीधी। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाये रीवा संभाग द्वारा आदेश जारी कर सिविल सर्जन सह-मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय सीधी का पत्र दिनांक 28.06.2025 के परिपक्ष्य में जिला चिकित्सालय सीधी में नेत्र रोग विशेषज्ञ/नेत्र चिकित्सक कार्यरत न होने के फलस्वरूप नेत्र उपचार एवं मेडिकल बोर्ड प्रभावित होने की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए डॉ. लक्ष्मण पटेल नेत्र रोग विशेषज्ञ सिविल अस्पताल जिला मऊगंज को अस्थाई रूप आगामी आदेश तक प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार एवं गुरूवार दो दिन जिला चिकित्सालय सीधी के नेत्र रोग विभाग में सेवाये देने के लिए आदेशित किया गया है।

मनमोहन रावत का दुखद निधन

चुरहट। कांग्रेस के लोकप्रिय ग्राम मोहनिया निवासी आदिवासी नेता मनमोहन रावत का कल सायं बीमारी के बाद दुखद निधन हो गया। मनमोहन जीवन भर राजनीति में सक्रिय रहे। वह दाऊ साहब स्व. अर्जुन सिंह जी के प्रति समर्पित कांग्रेस के निष्ठवान कार्यकर्ता थे। आज सुबह ग्रह ग्राम मोहनिया में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम विदाई देने के लिए समाजसेवी तथा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। चुरहट विधायक तथा मध्य प्रदेश विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया ने मनमोहन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। आठवें दशक में कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा चलाए गए 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत भूमिहीन गरीब हरीजन आदिवासी परिवारों को पट्टा, महुआ फूल संग्रहण का अधिकार की मांग को लेकर चलाए गए आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। मनमोहन रावत के निधन पर अरविंद त्रिपाठी,कामरेड सुंदर सिंह बघेल, गुरु प्रसाद कोल, महेश पटेल, अधिवक्ता सोमेश्वर सिंह, मोहनिया के पूर्व सरपंच राजेंद्र दुबे, कांग्रेस नेता बैजनाथ सिंह बैजू दादा, कमलेश्वर सिंह ,राम सुमिरन सेन, पारस पटेल ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मझौली में विधिक जागरूकता और साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा बुधवार दिनांक 23.07.2025 को ग्राम पंचायत मझौली में जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधरोपण भी किया गया। इस कार्यक्रम स्थानीय नागरिकों, अधिवक्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा आमजन को डॉन योजना, संवाद योजना तथा साथी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों तक न्याय और सहायता की पहुँच सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में पर्यावरण जागरूकता के तहत कई प्रजातियों के पौधे रोपे गए और उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक न्याय और स्वच्छ पर्यावरण, दोनों ही एक समावेशी और स्वस्थ समाज की नीव है। हमें दोनों क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के पौधे रापित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

तहसील मझौली में पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर

सीधी

म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मझौली सुश्री शिवांगी सिंह परिहार, सुश्री रूचि परते द्वारा बुधवार दिनांक 23.07.2025 को तहसील मझौली में पर्यावरण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना एवं अधिकाधिक पौधरोपण को प्रोत्साहित करना था। सचिव श्री मुकेश कुमार शिवहरे ने अपने संबोधन में नागरिकों से अपील की है कि वे पर्यावरण की रक्षा हेतु सक्रिय भूमिका निभाएं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मझौली सुश्री शिवांगी सिंह परिहार ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए एवं उनकी देखभाल करनी चाहिए।

यह कार्यक्रम जन-जागरूकता और सामाजिक सहभागिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं अधिवक्तागण ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने मिलकर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी की सदस्यता सूची का प्रकाशन किया गया

दावा-आपत्ति 23 से 30 जुलाई तक आमंत्रित

सीधी। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी एस.पी. पाण्डेवा ने जानकारी देकर बताया है कि जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी जिला सीधी के संचालक मण्डल के सदस्यों का निर्वाचन (जो तिथि मध्य प्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जावेगी) को साधारण सम्मिलन/विशेष साधारण सम्मिलन में सम्पन्न होना है।

उन्होंने बताया कि जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी जिला सीधी की सदस्यता सूची का प्रकाशन संस्था कार्यालय के नोटिस बोर्ड, कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थायें, जिला सीधी के सूचना पटल पर दिनांक 23.07.2025 को किया गया है। यदि किसी भी सदस्य को इस पर कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 23.07.2025 से दिनांक 30.07.2025 तक संस्था कार्यालय जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी अथवा कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थायें, सीधी में उन्हें सप्रमाण लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण संस्था कार्यालय में दिनांक 31.07.2025 को समय 02 बजे दिन किया जायेगा। आपत्तियों के निराकरण के समय सदस्य उपस्थित हो सकते हैं। आपत्तियों के सम्बन्ध में पृथक से व्यक्तिश: सूचना नहीं दी जावेगी। यदि किसी सदस्य की कोई आपत्ति है और वह उपस्थित नहीं होता है तो भी उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आपत्तियों का निराकरण किया जावेगा।

संपादकीय

दो कदम पीछे

मॉनसून सत्र का पहला दिन और दूसरा दिन भी हंगामे के नाम रहा और यह स्थिति तब हुई, जब सरकार कह रही है कि वह चर्चा के लिए तैयार है। सेशन शुरू होने के पहले सर्वदलीय बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच जो सहमति बनती दिखी थी, वह अगले कुछ ही घंटों में गायब हो गई। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। यह पहले से ही तय था कि इस सेशन में पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों और बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की समीक्षा को लेकर विपक्ष की सरकार को घेरने की कोशिश होगी। ये सारे मुद्दे अहम हैं और सरकार भी इस बात को मान रही है। इस लिहाज से सर्वदलीय बैठक सुखद रही थी, जहां दोनों पक्ष सदन में सार्थक बहस के लिए तैयार दिख रहे थे। अब विपक्ष चाह रहा है कि सत्र की शुरुआत में ही चर्चा हो जाए और सरकार कह रही है कि पहले कार्य मंत्रणा समिति में उन विषयों को उठाया जाए, जिन पर बात होनी है - जो मुद्दे तय होंगे, सरकार उन पर चर्चा को राजी है। दोनों पक्ष यह दिखाना चाहते हैं कि उनकी तरफ से कोई गतिरोध नहीं। यह राजनीति की मांग होती है कि सरकार कमजोर नहीं दिख सकती और विपक्ष झुकना नहीं चाहता। लेकिन, इन मुद्दों की गंभीरता को देखते हुए राजनीतिक विरोध को एक तरफ रखने की जरूरत है। सरकार और विपक्ष, दोनों को याद रखना चाहिए कि वे जिन सवालों को लेकर आमने-सामने हैं, उनका जवाब पूरा देश जानना चाहता है। सवाल भले विपक्ष के हों, पर उनके जवाबों पर पहला हक जनता का होगा। बेशक, सरकार ने पहले भी समय-समय पर बात रखी है, लेकिन पारदर्शी और विस्तृत ढंग से सारी चीजें तो बहस के बाद ही सामने आ पाती हैं। संसद में सरकार और विपक्ष की जवाबदेही तय होती है और इसे हंगामे की भेंट नहीं चढ़ाया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना दोनों की जिम्मेदारी है कि सत्र के आने वाले दिन सकारात्मक और सार्थक हों। मॉनसून सत्र को पीएम नरेंद्र मोदी ने विजयोत्सव की तरह बताया है। उन्होंने जंग के मैदान में पाकिस्तान के खिलाफ, नक्सलियों के विरुद्ध देश के भीतर चल रही लड़ाई में और इकॉनमी के मोर्चे पर मिली सफलताओं का जिक्र किया। पीएम ने मौजूदा सत्र के लिए एक तरह से सरकार का रुख तय कर दिया कि इसी पर चर्चा आगे बढ़ेगी, लेकिन यह तभी हो सकता है, जब सरकार और विपक्ष के बीच एक कॉमन ग्राउंड बने। शोर-शराबे, नारेबाजी और वॉकआउट से तो सत्र विजयोत्सव नहीं बन पाएगा।

राजस्थान के झुंझुनू जिले के किठाना गांव में 18 मई 1951 को जन्मे धनखड़ ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईंए जैसे वकील, सांसद,केन्द्र में मंत्री, राज्यपाल, राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति के रूप में। हालांकि, उनके बयानों और निर्णयों ने अक्सर विवादों को जन्म दिया, जिसने उन्हें सुर्खियों में रखा।

जगदीप धनखड़- प्रखर वक्ता, संवैधानिक विशेषज्ञ और विवादों का चोली-दामन का साथ

(जयसिंह रावत)

अपनी बेवाक टिप्पणियों से सुर्खियां बटोरने वाले उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन अचानक इस्तीफा देकर देश की राजनीती में भारी भूचाल पैदा कर गए। हालांकि, उनसे पहले भी दो उप राष्ट्रपतियों ने कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफे थे, लेकिन उनके इस्तीफे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए थे। जगदीप धनखड़ एक प्रखर वक्ता, संवैधानिक विशेषज्ञ और लोकतंत्र के प्रबल समर्थक के रूप में जाने जाते हैं।

राजस्थान के झुंझुनू जिले के किठाना गांव में 18 मई 1951 को जन्मे धनखड़ ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईंए जैसे वकील, सांसद,केन्द्र में मंत्री, राज्यपाल, राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति के रूप में। हालांकि, उनके बयानों और निर्णयों ने अक्सर विवादों को जन्म दिया, जिसने उन्हें सुर्खियों में रखा।

संवैधानिक विशेषज्ञ और प्रखर वक्ता के रूप में धनखड़: जगदीप धनखड़ का सफर एक वकील के रूप में शुरू हुआ। 1979 में राजस्थान बार काउंसिल में नामांकन के बाद, उन्होंने 1990 में राजस्थान उच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई। संवैधानिक कानून में उनकी विशेषज्ञता ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में एक प्रमुख वकील बनाया।

उन्होंने हरियाणा जैसे राज्यों का सतलुज नदी जल विवाद में प्रतिनिधित्व किया और राजस्थान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। राजनीति में प्रवेश के साथ, धनखड़ ने 1989 में झुंझुनू से लोकसभा सांसद के रूप में अपनी शुरुआत की और 1990 में चंद्रशेखर सरकार में संसदीय कार्य राज्य मंत्री रहे। 1993 से 1998 तक वे राजस्थान विधानसभा के सदस्य रहे।

2019 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और 2022 में भारत के उपराष्ट्रपति बनने तक, उन्होंने विभिन्न संवैधानिक पदों पर अपनी छाप छोड़ी। उनकी वक्तृत्व कला और संवैधानिक ज्ञान ने उन्हें एक प्रभावशाली व्यक्तित्व बनाया। उपराष्ट्रपति के रूप में, उन्होंने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया, संस्कृत के उपयोग को बढ़ावा दिया और आयुर्वेद जैसी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों का समर्थन किया।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में टकराव: पश्चिम बंगाल के राज्यपाल (2019-2022) के रूप में धनखड़ का

कार्यकाल विवादों से भरा रहा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार के साथ उनके मतभेद सुर्खियों में रहे। कानून-व्यवस्था, चुनाव के बाद हिंसा, भ्रष्टाचार और विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्तियों जैसे मुद्दों पर उन्होंने टीएमसी सरकार की खुलकर आलोचना की।

उदाहरण के लिए, 2019 में धनखड़ ने टीएमसी सरकार के खिलाफ ट्विटर पर अपनी आलोचना शुरू की, जिसके जवाब में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें पत्र लिखकर उनकी टिप्पणियों को अनुचित बताया। 2022 में, टीएमसी सरकार ने राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलपति पद से हटाकर मुख्यमंत्री को यह जिम्मेदारी सौंप दी, जो एक बड़ा विवाद बना। धनखड़ पर विधायी प्रक्रियाओं में देरी का आरोप भी लगा, जैसे कि महत्वपूर्ण विधेयकों को मंजूरी देने में विलंब।

राज्यसभा सभापति-विपक्ष के साथ तनाव: उपराष्ट्रपति के रूप में, धनखड़ स्वतः राज्यसभा के सभापति बने। इस भूमिका में, उनके और विपक्ष के बीच तनावपूर्ण संबंध कई बार चर्चा में रहे। 2022 के शीतकालीन सत्र में, उन्होंने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को रद्द करने वाले 2015 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को "संसदीय संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन" बताया, जिसने विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया।

2023 में, संसद सुरक्षा उल्लंघन पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर 146 सांसदों के निलंबन ने विवाद को और बढ़ाया। विपक्ष ने धनखड़ पर पक्षपात का आरोप लगाया, दावा किया कि वे सत्तारूढ़ दल के पक्ष में कार्य कर रहे थे। 2024 में, विपक्ष ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश की, जिसमें उन पर विपक्षी सांसदों को दबाने और सत्तारूढ़ दल को तरजीह देने का आरोप था। हालांकि, यह प्रस्ताव संख्याबल के अभाव में पारित नहीं हुआ।

सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणियां और न्यायिक विवाद: धनखड़ के कुछ सबसे चर्चित विवाद सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका से जुड़े रहे। अप्रैल 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समयसीमा निर्धारित की। धनखड़ ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह "न्यायिक अतिक्रमण" है और अनुच्छेद 142 (जो सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण न्याय के लिए विशेष शक्तियां देता है) को "लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ परमाणु मिसाइल" बताया।

उन्होंने तर्क दिया कि संसद सर्वोच्च है और निर्वाचित प्रतिनिधि ही संविधान के अंतिम स्वामी हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या न्यायाधीश, जो जवाबदेही से मुक्त हैं, विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका निभा सकते हैं। उनकी इन टिप्पणियों की विपक्ष ने तीखी आलोचना की।

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां असंवैधानिक् हैं और राज्यसभा सभापति को तटस्थ रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त, धनखड़ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से जली हुई नकदी की बरामदगी के मामले में जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या न्यायाधीश देश के नागरिकों और संविधान के प्रति जवाबदेह नहीं हैं।

सत्तारूढ़ दल का समर्थन?: धनखड़ के कुछ बयानों को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की विचारधारा का समर्थन करने वाला माना गया। उदाहरण के लिए, जुलाई 2024 में, उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निर्विवाद साख की प्रशंसा की, जिसे विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण माना। 2025 में, उन्होंने कांग्रेस द्वारा गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लाए गए विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे विपक्ष और भड़क गया।

विपक्ष ने दावा किया कि धनखड़ की टिप्पणियां और निर्णय अक्सर बीजेपी के पक्ष में झुके हुए थे, जिससे उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठे। दूसरी ओर, उनके समर्थकों का कहना है कि उनकी बेबाक टिप्पणियां संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए थीं।

उनकी एक जटिल विरासत: जगदीप धनखड़ का राजनीतिक और संवैधानिक सफर उपलब्धियों और विवादों का मिश्रण रहा है। एक वकील से उपराष्ट्रपति तक, उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता और प्रखर वक्तृत्व से भारतीय लोकतंत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके द्वारा संस्कृत, आयुर्वेद और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को बढ़ावा देना उनकी सकारात्मक छवि को दर्शाता है।

हालांकि, उनके बेबाक बयानों और निर्णयों ने उन्हें बार-बार विवादों के केंद्र में ला खड़ा किया। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार के साथ टकराव, राज्यसभा में विपक्ष के साथ तनाव और सुप्रीम कोर्ट पर उनकी टिप्पणियों ने उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाए। फिर भी, उनके समर्थकों का मानना है कि उनकी आलोचनाएँ संवैधानिक संतुलन और संसदीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए आवश्यक थीं।

2025 में स्वास्थ्य कारणों से उनके इस्तीफे ने उनके कार्यकाल को और चर्चा में ला दिया। धनखड़ की विरासत को लेकर मतभेद बने रहेंगे, लेकिन यह निर्विवाद है कि उन्होंने भारतीय राजनीति में एक अमिट छाप छोड़ी। उनकी बेबाकी, संवैधानिक ज्ञान और लोकतंत्र के प्रति समर्पण उन्हें एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में याद रखा जाएगा, जिसने हमेशा अपने विचारों को बिना किसी डर के व्यक्त किया। यह लेखक के निजी विचार हैं।

पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा में लगी सेंध? किराना हिल्स पर भारत की स्ट्राइक के सबूत सामने आए

(नीरज कुमार दुबे)

बता दें कि पाकिस्तान के सर्गोधा क्षेत्र के पास स्थित किराना हिल्स लंबे समय से उसके गुप्त परमाणु कार्यक्रम और रिसर्च के केंद्र के तौर पर जाना जाता है। यहां 1980 के दशक में उप-परमाणु परीक्षण भी किए जा चुके हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच मई महीने में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान भारत ने पाकिस्तान की किराना हिल्स पर स्ट्राइक की थी। ऐसा दावा सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों ने किया है। हम आपको बता दें कि यह खुलासा अपने आप में इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किराना हिल्स में ही पाकिस्तान के परमाणु बमों का ठिकाना माना जाता है। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध हो सकता था। हालांकि यह भी माना जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों पर हमला उसके परमाणु हथियारों को नष्ट करने के उद्देश्य से नहीं बल्कि उसको चेतावनी देने के लिए किया था और इसके जरिये दुश्मन को साफ और स्पष्ट संदेश दिया था कि उसके परमाणु ठिकाने सुरक्षित नहीं हैं।

हम आपको याद दिला दें कि भारतीय वायुसेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर उस समय भारत ने दावा किया था कि उसने पाकिस्तान के कुछ महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर हमला किया। हालांकि, भारतीय वायुसेना ने तब किराना हिल्स जैसे संवेदनशील न्यूक्लियर साइट्स को निशाना बनाए जाने से इंकार कर दिया था। लेकिन अब गूगल अर्थ की ताजा तस्वीरों और सैटेलाइट इंटेलिजेंस विश्लेषक डेमियन साइमोन के विश्लेषण ने यह संकेत दे दिया है कि भारत ने सच में पाकिस्तान के इस रणनीतिक स्थल पर हमला किया था।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के सर्गोधा क्षेत्र के पास स्थित किराना हिल्स लंबे समय से उसके गुप्त परमाणु कार्यक्रम और रिसर्च के केंद्र के तौर पर जाना जाता है। यहां 1980 के दशक में उप-परमाणु परीक्षण भी किए जा चुके हैं। किराना क्षेत्र के भीतर सुरंगें, भूमिगत भंडारण और रडार स्टेशन इसकी सामरिक महत्ता को और बढ़ाते हैं। यही वजह है कि भारत द्वारा यहां स्ट्राइक की संभावना को पाकिस्तान और वैश्विक सुरक्षा विशेषज्ञ बेहद गंभीर मान रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि 9-10 मई 2025 की रात को भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत करीब 15 ब्रह्मोस मिसाइलों और अन्य सटीक हथियारों से पाकिस्तान के 13 में से 11 बड़े एयरबेस को नुकसान पहुंचाया था। इसका उद्देश्य केवल बदला लेना नहीं, बल्कि पाकिस्तान के वायु रक्षा नेटवर्क को अपंग करना और उसकी परमाणु-संबंधी आक्रामक मंशाओं को एक संदेश देना था। किराना हिल्स पर हमला (या चेतावनी स्वरूप हमला) इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा दिखता है। विशेषज्ञ डेमियन साइमोन के मुताबिक, गूगल अर्थ की जून 2025 की तस्वीरों में स्पष्ट रूप से किराना हिल्स पर मिसाइल इम्पैक्ट साइट दिखाई दे रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हमला उस स्थल पर नहीं हुआ जहां गहरी सुरंगें या न्यूक्लियर भंडारण हो, बल्कि पहाड़ी के एक हिस्से पर हुआ है जो संभवतः 'सिर्फ चेतावनी' के तौर पर चुना गया था।

दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान ने इस हमले को लेकर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी, संभवतः इसलिए कि यदि किराना हिल्स पर हमला स्वीकार किया जाता, तो उसकी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता की पोल खुल जाती। वहीं भारत ने भी आधिकारिक रूप से इसे नकारा और वायुसेना अधिकारी एयर मार्शल ए.के. भारती ने किराना हिल्स पर 'मुस्कान' के साथ नहीं में जवाब दिया, जिससे यह सवाल और गहरा गया था।

देखा जाये तो इस घटना से तीन प्रमुख बातें सामने आई- 1. भारत अब पाकिस्तान के तथाकथित न्यूक्लियर इंफ्रास्ट्रक्चर को भी निशाना बनाने की हिम्मत और क्षमता रखता है। 2. पाकिस्तान की वायु सुरक्षा और परमाणु साइट्स पर भारत की निगरानी व इंटेलिजेंस क्षमता पहले से कहीं मजबूत है। 3. भारत ने इस स्ट्राइक के माध्यम से यह संदेश दिया कि अगर पाकिस्तान अपनी आतंक नीति नहीं बदलेगा तो अब 'न्यूक्लियर कार्ड' भी भारत को नहीं डरा सकेगा।

हम आपको बता दें कि किराना हिल्स और सर्गोधा (अब मुशाफ एयरबेस) जैसे ठिकानों पर हुए हमलों के बाद पाकिस्तान की चिंता कई गुना बढ़ चुकी है। एक ओर उसे अपनी वायु रक्षा प्रणाली के कमज़ोर होने की हकीकत समझ आ गई है तो दूसरी ओर उसकी परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर भी वैश्विक संदेह गहरा गया है। सर्गोधा एयरबेस की रनवे की मरम्मत से यह भी साफ हो गया कि भारत के हमले ने वहां वास्तविक रूप से बड़ा नुकसान पहुंचाया था। पाकिस्तान के यह दावे कि उसने भारत के आदमपुर एयरबेस पर हमला कर रूस निर्मित यूएस-400 सिस्टम को तबाह किया था, पहले ही झूठ साबित हो चुके हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आदमपुर दौरा और स-400 के साथ तस्वीर भी पाकिस्तान की 'प्रोपेगेंडा फैक्ट्री' को एक्सपोज कर चुका है। हम आपको याद दिला दें कि ऑपरेशन सिंदूर से पहले पड़ोसी देश के नेता बार-बार कह रहे थे कि पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है, इसलिए कोई उस पर आसानी से हमला नहीं कर सकता है। पाकिस्तान के नेता कभी सोशल मीडिया पर तो कभी मीडिया को दिये जा रहे बयानों में कह रहे थे कि अल्लाह ने पाकिस्तानी सेना को देश की रक्षा के लिए ताकत दी है इसलिए भारत हमारी ओर आंख उठा कर नहीं देखे। पाकिस्तानी मंत्री कह रहे थे कि हमारे 130 परमाणु बम सजावट के लिए नहीं रखे हुए हैं। लेकिन भारत पर इन धमकियों का कोई असर नहीं हुआ था। दरअसल भारत की नीति है कि पहले परमाणु हमला नहीं करेंगे लेकिन अगर हम पर परमाणु हमला हुआ तो जरूर जवाब देंगे। यह नीति कागजों में आज भी कायम है लेकिन मोदी सरकार के मंत्री तमाम अवसरों पर कहते रहे हैं कि परमाणु हमला पहले करना है या नहीं यह सब कुछ परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। इसके अलावा भारत ने कभी यह भी नहीं कहा था कि वह दुश्मन के परमाणु केंद्र पर हमला नहीं करेगा। इसलिए पाकिस्तान के किराना हिल्स पर हमला करके एक संदेश दिया गया।

बहरहाल, 'ऑपरेशन सिंदूर' और किराना हिल्स के घटनाक्रम ने भारत-पाकिस्तान के बीच भविष्य की सैन्य रणनीति का नया अध्याय खोल दिया है। भारत ने जहां अपनी सैन्य क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया, वहीं पाकिस्तान की 'न्यूक्लियर सुरक्षा' की हकीकत और खोखले दावे भी उजागर हुए। आने वाले समय में पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा रणनीति पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा, क्योंकि अब भारत की 'लक्ष्मण रेखा' सिर्फ एलओसी तक सीमित नहीं रह गई है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5801

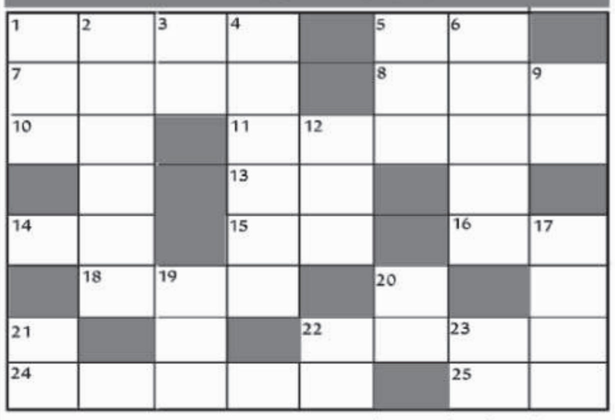

संकेत: बाएं से दाएं

1. ब्रिटेन ने इस देश को 29 अगस्त 1945 को जापान से मुक्त किया (4)
5. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
7. विवाह के पूर्व की एक रस्म (4)
8. नितांत अंतिम, छोरस्थ, पराकाष्ठात्मक (3)
10. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
11. लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने अपना सरगमी सफर इस फिल्म से शुरू किया (5)
13. जंगल, अरण्य, कानन (2)
14. ईर्ष्या, जलन, खुन्नस, रश्क (2)
15. भय, खौफ, दहशत (2)
16. भास्कर, दिनपति, दिवाकर (2)
18. प्रशस्ति स्तंभ, धौलहरा, लाट (3)
22. जो रिश्ते में नाना का पिता हो (4)
24. 1948 में प्रदर्शित आग वह पहली फिल्म थी जिसमें अभिनेता के साथ-साथ निर्माता-निर्देशक के रूप में भी ये अभिनेता सामने आए (5)
25. घोड़ों द्वारा खींचकर ले जानी वाली सवारी का चलन प्राचीनकाल में था (2)

ऊपर से नीचे

1. जल्दी-जल्दी और लंबी-लंबी सांसे लेना (3)
2. अनर्थ बोध, बदगुमानी, भ्रांत धारणा (6)
3. मालवी में प्याज को यह कहते है (2)
4. बारूद को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (6)
5. पुनरागत, लौटा हुआ, प्रतिगत, शेखर पुरोहित अलका अभिनीत 1969 की फिल्म (3)
6. दायित्व, कार्यभार, जिम्मा (5)
9. नगीना, रत्न (2)
12. दौड़ने वाला, धावक (3)
17. पूरे संसार का स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
19. मुलायम, मृदु, कोमल (3)
20. सूती धागा, रज्जू (2)
21. पुराणानुसार कामाक्षी का चौथा रूप, शब्द ब्रह्म, परमार्थ का कराने वाली विद्या (2)
22. किंतु, परंतु, पंख, डैना (2)
23. नारी का अपभ्रंश, मोटा रस्सा (2)

वर्ग पहेली 5800 का हल

आ	बि	दा	सु	त्वा	न		ट
ज्ञ	ज्ञ		ख		या	वि	का
त	ली		दा	य	रा		
क		त	य		स्ता	व	क
	अ	ट	क	ल		न	र
लू		व		क्ष्य		गो	वा
	फु	र्ती	ला		ना	च	
ज्ञा	ट		भ	र	ता	र	

बिहार चुनाव के बहाने ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने की तैयारी

(योगेंद्र योगी)

मौजूदा मुद्दा भी कुछ इसी तरह का है। इसको लेकर बिहार चुनाव में चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इसे भाजपा की मिलीभगत की साजिश करार दिया जा रहा है। जबकि चुनाव आयोग ने ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे विपक्षी दल बौखलाएं हुए हैं।

देश के विपक्षी दलों को विगत राज्यों के विधानसभा और लोकसभा में मिली करारी हार पच नहीं पा रही है। विपक्षी दलों ने इस हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने में कसर बाकी नहीं रखी। इसके लिए विपक्षी दलों ने तमाम तकरीबें इस्तेमाल की। इसके बावजूद चुनावी हार का सिलसिला थम नहीं सका। अब नया विवाद बिहार में मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण पर हो रहा है। विपक्षी दल इसे भाजपा की चाल बता रहे हैं, ताकि लाखों मतदाता मतदान से वंचित रह सकें। इससे पहले भी विधानसभा और लोक सभा चुनाव में विपक्षी दलों ने इसी तरह का बखेड़ा करने का प्रयास किया था। इसके लिए चुनाव आयोग को निशाना बनाया गया। वास्तविक जमीनी मुद्दों पर चुनाव लड़ने के बजाए इस तरह की पैतरेबाजी से विपक्षी दलों को मतदाताओं ने नकारने में कसर बाकी नहीं रखी।

मौजूदा मुद्दा भी कुछ इसी तरह का है। इसको लेकर बिहार चुनाव में चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इसे भाजपा की मिलीभगत की साजिश करार दिया जा रहा है। जबकि चुनाव आयोग ने ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे विपक्षी दल बौखलाएं हुए हैं। आयोग संविधान के दायरे में रह कर ही बिहार में चुनाव की तैयारियों को अंजाम दे रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग की विशेष प्रक्रिया जिसे संक्षेप में सर कहा जा रहा है। दरअसल, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए किसी भी चुनाव से पहले मतदाता सूची को अपडेट किया जाता है जो एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन चुनाव आयोग ने इस बार 1 जुलाई से मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा शुरू कर दी है। इसे लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है, नीयत पर शक कर रहा है। चुनाव आयोग की दलील है कि बिहार में मतदाता सूची की गंभीर समीक्षा की ऐसी आखिरी प्रक्रिया 2003 में हुई थी और उसके बाद से नहीं हुई है। इसलिए ये मुहिम ज़रूरी है। समीक्षा के लिए चुनाव आयोग ने मतदाताओं के लिए एक फॉर्म तैयार किया है, जो मतदाता 1 जनवरी, 2003 की मतदाता सूची में शामिल थे, उन्हें सिर्फ ये अर्थात गणना पत्र भरकर जमा करना है। उन्हें कोई सबूत नहीं देना होगा। बिहार में ऐसे 4.96 करोड़ मतदाता हैं। चुनाव आयोग ने 2003 की ये वोटर लिस्ट अपनी वेबसाइट पर डाल दी है। सारा हंगामा 2003 के बाद मतदाता बने लोगों से सबूत मांगने को लेकर है। चुनाव आयोग के मुताबिक 1 जुलाई 1987 से पहले पैदा हुए नागरिकों जो 2003 की मतदाता सूची में नहीं थे, उन्हें अपनी जन्मतिथि और जन्मस्थान का सबूत देना होगा। ऐसे सभी मतदाता आज की तारीख़ में 38 साल या उससे बड़े होंगे। जो लोग 1 जुलाई 1987 से लेकर 2 दिसंबर 2004 के बीच पैदा हुए हैं, उन्हें अपनी जन्मतिथि और जन्मस्थान और अपने माता-पिता में से किसी एक की जन्मतिथि और जन्मस्थान का सबूत देना होगा।

आज का राशिफल

मेष

आज आप व्यापार के मामले में कोई निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो पहले अच्छी तरह हर पक्ष को जरूर देख लें। साथ ही, भविष्य के लाभ के बारे में भी एक बार जरूर सोचें तभी जाकर आप सफलता प्राप्त कर पाएंगे। इसके अलावा, जो लोग जमीन से जुड़ा कोई सौदा करने वाले हैं उन्हें भी फैसले सोच-समझकर लेने होंगे।

वृष

आज व्यापार के मामले में आपके दूर तक सोचने वाला व्यवहार कामकाज पर में भी नजर आएगा। इसी के चलते आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। कार्यस्थल पर आपके अनुभव की दूसरे लोग भी सराहना करेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप किसी प्रतियोगिता में भी शामिल हो सकते हैं। घर-परिवार के मामले में आज का दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में वातावरण सुधरता नजर आ सकता है। जिससे आपका तनाव कम होगा और इसी के चलते स्वास्थ्य भी बेहतर होता जाएगा। व्यापार के मामले में अगर आप अपना धन किसी सही योजना या निवेश में लगाते हैं, तो इससे लाभ प्राप्त हो सकता है।

कर्क

आज आपके लिए परिस्थितियां बदल सकती हैं। अगर आपके कुछ जरूरी कार्य या लाभ कहीं बीच में अटके हुए थे तो अब सारी बाधाएं दूर हो सकती हैं। जिससे मन प्रसन्न रहेगा। इसके अलावा, करियर से जुड़ी कोई योजना या विचार करते समय हर पक्ष का अच्छी तरह सोच-विचार जरूर कर लें।

सिंह

आज आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अगर आपके जरूरी कार्यों में देरी हो रही है, तो इसका तनाव न लें। ये परेशानियां एक दो दिन के भीतर दूर हो जाएंगी और आपके काम पूरे होने लगेंगे। इससे आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होगा। अगर आप कार्यक्षेत्र में कुछ नया करने की सोच रहे हैं, तो आपके हुनर काम आ सकते हैं।

कन्या

आज अपने अधूरे कार्यों को समय पर पूरा करना होगा तभी सफलता प्राप्त होगी। जीवन में कुछ बदलाव के लिए आप कहीं घूमने जाने का प्लान भी बना सकते हैं। इससे आपको थोड़ा बेहतर महसूस होगा। व्यापार से जुड़े किसी भी मीटिंग या कार्यक्रम में परिवर्तन करने से बचना होगा।

तुला

आज आपके लिए धन निवेश करना फायदेमंद हो सकता है। इससे कुछ मुश्किल परिस्थितियां संभाली जा सकती हैं और बेहतर लाभ प्राप्त होने की भी संभावना है। वहीं, घर-परिवार का वातावरण अच्छा बना रहेगा और अगर किसी सदस्य पर संकट आ रहा था तो वह भी समाप्त हो जाएगा। इससे आपको शांति महसूस होगी।

वृश्चिक

आज धन लाभ के भी अच्छे योग बन सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी व्यक्ति के द्वारा किया गया परोपकार आपके लिए वरदान साबित हो सकता है। लेकिन कहीं जाते समय आपको सावधानी बरतनी, अन्यथा कोई महत्वपूर्ण सामान खो सकता है।

धनु

आज दिन अच्छा रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा। नौकरी करने वालों के लिए भी समय अनुकूल है। वहीं, घर-परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा सकता है और विवाह योग्य सदस्य के लिए रिश्ते की बात भी हो सकती है। ऐसे में आप अपने घर में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं।

मकर

आज किसी व्यक्ति के साथ आपका विवाद चल रहे है तो उसे बातचीत के जरिए सुलझाना होगा। साथ ही, नए संपर्क बनाने से आपको व्यापार में लाभ हो सकता है। इसके अलावा, अगर किसी मित्र के साथ अनबन चल रही थी तो वह भी अब दूर हो सकती है, जिससे आपको राहत महसूस होगी। नौकरी करने वाले अपने काम में व्यस्त दिखाई देंगे।

कुंभ

आज आपको अपने आसपास के सही और गलत लोगों के बीच में पहचान करनी होगी, अन्यथा आपका सम्मान कम हो सकता है। वहीं, अगर पिता से जुड़ी किसी संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है, तो वह अब सुलझ सकता है। बिजनेस करने वाले लोग अपनी योजनाओं को दोबारा शुरू कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेनी होगी।

मीन

आज मन थोड़ा कम लग सकता है और थोड़ी सुस्ती महसूस होगी। किसी चीज के बारे में ज्यादा सोचने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है या स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी अविश्वसनीय व्यक्ति के चलते आपकी मान-प्रतिष्ठा कम हो सकती है। ऐसे में सतर्क रहना जरूरी होगा और खुद को संतुलित बनाए रखें।

संक्षिप्त समाचार

बिना नक्शा पास कराए भी निर्माण की छूट, सिर्फ एक रुपए में कराएं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

बरेली, एजेंसी। शासनादेश के बाद बरेली विकास प्राधिकरण ने भवन निर्माण उपविधियां-2025 और आदर्श जोनिंग रेगुलेशन-2025 को लागू करके लोगों को जागरूक करना शुरू कर दिया है। मंगलवार को बीडीए कार्यालय में अधिकारियों ने नई व्यवस्था को लेकर जानकारी दी। प्रेस कांफ्रेंस करते हुए बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. ए मनिकंडन ने बताया कि अब 100 वर्गमीटर तक के आवासीय और 30 वर्गमीटर तक के व्यावसायिक भूखंडों पर बिना नक्शा पास कराए भी निर्माण की छूट मिल गई है। इसके लिए सिर्फ एक रुपए में ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। मंगलवार को बीडीए कार्यालय में आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए ने बताया कि नई उपविधियों के तहत भवन निर्माण प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बना दिया गया है। इससे घर मालिकों, बिल्डरों और निवेशकों को बड़ी राहत मिलेगी। अस्पताल, स्कूल और उद्योग जैसे जरूरी सुविधाओं से जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए त्वरित अनुमोदन प्रणाली लागू की जा रही है, ताकि फाइलें महीनों तक लंबित न रहें। बीडीए की योजनाओं और स्वीकृत लेआउट में बने प्लॉट्स पर अब 500 वर्गमीटर तक के आवासीय और 200 वर्गमीटर तक के व्यावसायिक नक्शे को लाइसेंस प्राप्त आर्किटेक्ट ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। शुल्क का भुगतान होते ही वह नक्शा स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा, अगर वह नियमों के अनुरूप होगा। हालांकि व्यवस्था आसान की जा रही है, लेकिन नियम तोड़ने वालों पर सख्ती भी उतनी ही होगी। नक्शा अपलोड करते वक्त यह घोषणा देनी होगी कि निर्माण मास्टर प्लान और सभी नियमों के अनुरूप है। यदि किसी ने गलत जानकारी दी या नियमों की अनदेखी की, तो कार्रवाई तय मानी जाएगी।

भगवान कृष्ण का ऐसा भी भक्त ? सांवलिया सेठ मंदिर में चढ़ाया चांदी का मोबाइल

चित्तौड़गढ़, एजेंसी। भगवान को खुश रखने या करने के लिए भक्त क्या-क्या नहीं करते। कोई एग्जाम में पास कराने पर लड्डू से लेकर सबकुछ चढ़ाने को तैयार रहता है तो कोई नौकरी दिलाने के नाम पर 108 बार परिक्रमा लगाने का वादा करता है। कई भक्त तो ऐसे हैं जो एक से एक महंगी चीज भगवान के चरणों में अर्पण करते हैं। इसी कड़ी में चित्तौड़गढ़ के प्रसिद्ध सांवलिया सेठ मंदिर का एक वीडियो वायरल है। यहां मध्य प्रदेश के एक व्यापारी ने चांदी का मोबाइल फोन चढ़ाया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस खास फोन का वजन 250 ग्राम बताया जा रहा है। 30 सेकेंड से भी कम समय का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में व्यापारी आदमी फेमस सांवलिया सेठ मंदिर के अंदर है जहां उसके हाथों में एक चढ़ावे वाली टोकरी दिखाई दे रही है। कैमरा जूम करने पर बीच में वह बेशकीमती मोबाइल फोन भी दिखता है,जिसे वह प्रभु के चरणों में अर्पण करने लाया है। उसके साथ एक महिला और छोटा सा बच्चा भी है। इसके बाद वह उसे भगवान के चरणों में अर्पण कर दान पेटी में उसे डाल देता है। सांवलिया सेठ भगवान कृष्ण का एक बहुत ही पूजनीय रूप हैं, जिनकी पूजा मुख्य रूप से राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में स्थित सांवरिया जी मंदिर में की जाती है। उन्हें दिव्य व्यापारी के नाम से जाना जाता है और वे विशेष रूप से व्यापारियों और भक्तों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं, जो मानते हैं कि वे समृद्धि लाते हैं और इच्छाओं को पूरा करते हैं। यह मंदिर अपने आप में एक बड़ा तीर्थ स्थल है, जो खासकर जन्माष्टमी जैसे त्योहारों के दौरान भारी भीड़ को आकर्षित करता है।

नवविवाहिताओं को मिलेगा सोना और सिल्क साड़ी, किस पार्टी ने किया चुनावी वादा?

चेन्नई, एजेंसी। एआईएडीएमके महासचिव एडापड्डी के पलानीस्वामी ने कहा कि अगर 2026 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो हर नवविवाहित महिलाओं को रेशम की साड़ी गिफ्ट में दी जाएगी। रेशम के बुनकरों को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने कहा कि वह उनका जीवन स्तर सुधारने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, राज्य में रेशम हस्तशिल्पकारों के लिए जो कुछ भी हो सकेगा किया जाएगा। नई दुल्हनों को रेशम की साड़ी गिफ्ट में दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम जयललिता द्वारा शुरू की गई शादी सहायता स्कीम की तहत नवविहिताओं को मंगलसूत्र के लिए सोना भी दिया जाएगा। इससे पहले, मुख्यमंत्री एम. के स्टालिन की इस टिप्पणी कि भाजपा अन्नाद्रमुक को निगल जाएगी'' पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्ष के नेता ने कहा, ''स्टालिन कहते हैं कि भाजपा पलानीस्वामी को निगल जाएगी। क्या पलानीस्वामी कोई कीड़ा है जिसे मछली निगल जाएगी? आप ही अपने सहयोगियों को निगल रहे हैं।'' तंजावुर में एक रोड शो के दौरान उन्होंने दावा किया कि राज्य में कांग्रेस की उपस्थिति कम हो रही है, कम्युनिस्ट गायब हो रहे हैं और एक अन्य सहयोगी वीसीके द्रमुक से चिपकी हुई है। अस्पताल में भर्ती हैं सीएम स्टालिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को सोमवार सुबह सैर के दौरान 'हल्का चक्कर' आ गया जिसके बाद उन्हें यहां के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल ने यह जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन ने संवाददाताओं को बताया कि उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है।

कृषि मंत्री के विवादित बयान से नाराज हुए मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। एनसीपी (अजित पवार गुट) के नेता और महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे एक बार फिर अपने विवादित बयानों और बर्ताव को लेकर सुर्खियों में हैं। मंगलवार को कोकाटे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि राज्य सरकार भिखारी है, जिससे राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया। उनके इस बयान को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। फडणवीस ने कहा कि मंत्रियों का इस तरह से बोलना अनुचित है। साथ ही उन्होंने कहा कि चुनौतियों के बावजूद महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है। हाल ही में विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान कोकाटे मोबाइल पर ऑनलाइन रम्मी खेलते नजर आए थे, जिसका वीडियो वायरल होने के बाद उन पर विपक्ष और सोशल मीडिया यूजर्स ने निशाना साधा था। मंगलवार को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई देते हुए कहा, मैं रम्मी नहीं खेल रहा था, बल्कि गेम का पॉपअप हटाने की कोशिश कर रहा था। जिन लोगों ने वीडियो डाला है, उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा करूंगा।

कोकाटे ने अपने एक पुराने बयान में कहा था कि अब तो 1 रुपये भिखारी भी नहीं लेते, लेकिन राज्य सरकार ने किसानों को 1 रुपये में फसल बीमा दिया है और कुछ किसानों ने इसका दुरुपयोग किया है। इस बयान को लेकर भी उनसे सवाल पूछे गए। इस पर उन्होंने सफाई दी कि, असल में राज्य ही भिखारी है, क्योंकि वह किसानों से 1 रुपये ले रहा है। नासिक जिले के सिन्नर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्री ने कहा

कि एक रुपये की फसल बीमा योजना के लिए पांच लाख से 5.3 लाख फर्जी आवेदन प्राप्त हुए थे और उन्होंने उन्हें खारिज कर दिया तथा कई सुधारात्मक कदम उठाए। दो वर्ष पहले शुरू की गई एक रुपये की फसल बीमा योजना को कुछ महीने पहले समाप्त कर दिया गया और उसके स्थान पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कोकाटे के बयान पर कड़ी नाराजगी जताते हुए गढ़चिरौली में संवाददाताओं से कहा, अगर उन्होंने ऐसा कहा है कि राज्य भिखारी है, तो यह बेहद गलत है। हम हर साल कृषि क्षेत्र में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं और अगले पांच वर्षों में कुल 25,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। ऐसे बयान किसानों के आत्मसम्मान और राज्य की प्रतिष्ठा के खिलाफ हैं। राकांपा (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य को भिखारी कहना असंवेदनशीलता है। उन्होंने कहा, यह राज्य के अब तक के सभी मुख्यमंत्रियों और राज्य की जनता की कड़ी मेहनत का अपमान है। हम इस अपमान को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। जब मंत्री का काफिला नासिक रोड की ओर जा रहा था, तो विपक्षी शिवसेना (उबाठा) के कुछ कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए उनके काफिले पर ताश के पत्ते फेंकने की कोशिश की। राकांपा (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो क्लिप पोस्ट की जिसमें कोकाटे विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन 'रमी' खेलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आते ही राजनीतिक बवाल मच गया। राकांपा (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सोमवार को दो वीडियो पोस्ट किए जिनमें दावा किया गया कि कोकाटे राज्य विधानमंडल के हालिया मानसून सत्र के दौरान अपने मोबाइल फोन पर 'जंगली रमी' ऑनलाइन गेम खेलते नजर आ रहे थे। कोकाटे के इस्तीफे की बढ़ती मांग के बीच राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे ने सोमवार को कहा कि पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस वीडियो को गंभीरता से लिया और वह मंत्री से बात करेंगे। वहीं कोकाटे ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे ऑनलाइन रमी खेलना नहीं आता। गेम खेलने के लिए एक ओटीपी और बैंक खाते को लिंक करना जरूरी होता है। कोई भी यह जांच सकता है कि मेरा मोबाइल फोन ऐसे किसी गेम से जुड़ा है या नहीं।

मैं एक गेम को हटाने की कोशिश कर रहा था जो 10 से 15 सेकंड के लिए मेरी स्क्रीन पर 'पॉप-अप' हो गया था।'' इस्तीफे की मांग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''आप मुझे बताइए, मैंने ऐसे क्या किया कि मेरे इस्तीफे की मांग की जा रही है? क्या मैंने किसी से छेड़छाड़ की है। क्या मैंने कुछ चोरी किया है या किसानों के खिलाफ फैसला किया है? क्या मेरी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि है?'' कोकाटे ने कहा कि वह उन विपक्षी नेताओं पर मुकदमा करेंगे जिन्होंने एक अधूरा वीडियो प्रसारित करके उन्हें ''बदनाम'' करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ''उन्होंने पूरा वीडियो नहीं दिखाया। इससे तथ्य बिल्कुल स्पष्ट हो जाते। एक छोटे से मुद्दे को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है।'' राकांपा नेता ने कहा कि वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और विधानसभा अध्यक्ष को इस संबंध में गहन जांच कराने के लिए पत्र लिखेंगे। कोकाटे ने कहा, ''अगर वीडियो सही साबित हुआ तो मैं अपना इस्तीफा दे दूंगा।

पश्चिम पूरी तरह विफल, भारतीयता ही विश्व की सभी समस्याओं का समाधान : मोहन भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में विज्ञान और आर्थिक क्षेत्र में हुई सभी प्रगतियों ने विलासिता की चीजें ला दीं। इससे

लोगों का जीवन आसान तो हुआ, लेकिन दुखों का अंत नहीं हुआ। अब पूरी दुनिया जीवन में खुशी और संतोष के लिए भारत की तरफ देख रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को यह बातें कहीं। उन्होंने लोगों से भारतीयता को आत्मसात करने और दुनिया को उन सभी समस्याओं का समाधान दिखाने का आह्वान किया, जिनका वह सामना कर रही है। भागवत ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भौतिकवाद के चलते विश्व अनेक समस्याओं का सामना कर रहा है। अब वह इनके उत्तर के लिए भारत की ओर देख रहा है। उन्होंने कहाकि पिछले 2,000 साल में लोगों के जीवन में खुशी और संतोष लाने के लिए पश्चिमी विचारों पर आधारित सभी प्रयास विफल हो गए हैं। इग्नू और अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में भागवत ने कहा, 'शोषण बढ़ा, गरीबी बढ़ी। गरीब और अमीर के बीच की खाई दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।' उन्होंने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध के बाद शांति की वकालत करते हुए कई किताबें लिखी गईं, भविष्य में फिर से युद्ध न हो, इसके लिए राष्ट्र संघ का गठन किया गया, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन हुआ। लेकिन आज हम सोच रहे हैं कि क्या तीसरा विश्व युद्ध होगा। भागवत ने कहा कि भारतीयता ही आज दुनिया के सामने मौजूद सभी समस्याओं का एकमात्र समाधान है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत का होने का क्या अर्थ है? भारतीयता नागरिकता नहीं है। बेशक, नागरिकता आवश्यक है। लेकिन, भारत का हिस्सा बनने के लिए भारत का स्वभाव होना जरूरी है। भारत का स्वभाव पूरे जीवन के बारे में सोचता है। हिंदू दर्शन में चार पुरुषार्थ हैं...मोक्ष जीवन का अंतिम लक्ष्य है। इसी धर्म के अनुशासन के कारण भारत कभी सबसे समृद्ध राष्ट्र था।

बगैर बताए राष्ट्रपति भवन पहुंच गए थे जगदीप धनखड़, क्या हुआ था इस्तीफे वाली रात

नईदिल्ली, एजेंसी। जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंगलवार को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने इसकी वजह स्वास्थ्य बताई है। हालांकि, सोमवार रात अचानक दिए गए इस इस्तीफे ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं बढ़ा दी हैं। खबर है कि यह भी है कि धनखड़ के बगैर अपॉइंटमेंट लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचने के चलते भी अधिकारी हैरान रह गए थे। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ आनन फानन में उनकी मीटिंग तय कराई गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, रात 9 बजे संवैधानिक पदाधिकारी के बगैर अपॉइंटमेंट के आने से अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। इधर, धनखड़ के राष्ट्रपति भवन में आने की बात सैन्य सचिव को बताने के लिए,ष्टष्ट तुरंत भागे। बाद में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात के बाद धनखड़ ने इस्तीफा सौंपा और रात 9 बजकर 25 मिनट पर यह जानकारी सार्वजनिक की गई। कहा जा रहा है कि अचानक राष्ट्रपति भवन आकर इस्तीफा सौंपने के चलते फिर अटकलों का दौर शुरू हो गया। दरअसल, खबरें हैं कि सोमवार सुबह से दोपहर तक धनखड़ सदन में रहे और बैठकों में शामिल हो रहे थे। साथ ही उनके राजस्थान के दौरे के कार्यक्रम के बारे में दफ्तर प्रेस स्टेंटमेंट के जरिए जानकारी दे रहा था।

पानी भी मांगो तो मिलती हैं गालियां, फूट-फूटकर रोईं पीएसी की ट्रेनिंग ले रहीं लड़कियां; सड़क पर हंगामा

गोरखपुर, एजेंसी। यूपी के गोरखपुर स्थित पीएसी की 26 वीं बटालियन में ट्रेनिंग ले रही महिला प्रशिक्षुओं ने बुधवार की सुबह कैंप के प्रशासनिक भवन पर जमकर हंगामा किया। गुस्से में ट्रेनिंग कैंप से बाहर आकर सड़क पर बैठ गईं लड़कियां फूट-फूटकर रोने लगीं। कई प्रशिक्षुओं ने अपने माता-पिता को फोन कर रो-रोकर अपना दर्द सुनाया। कहा कि यहां बाकी चीजों की शिकायत तो दूर पानी भी मांगो तो गालियां मिलती हैं। महिला प्रशिक्षुओं के यूं सड़क पर धरना-प्रदर्शन शुरू कर देने से अधिकारियों में हड़कंप मच गया। वे प्रशिक्षुओं से बार-बार अंदर चलकर अपनी समस्याएं बताने को कहते रहे। आश्वासन देते रहे कि सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा लेकिन महिला प्रशिक्षु सुबह से काफी देर तक वहीं जमीं रहीं। बाद में उनका गुस्सा थोड़ा शांत हुआ तो वे अंदर गईं। प्रदर्शन के दौरान महिला प्रशिक्षुओं ने आरोप लगाया कि कैंप में उन्हें पीने के पानी से लेकर खाने और बाथरूम तक के लिए बेशुमार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मूलभूत सुविधाओं से भी वे वंचित हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे दिन में प्रशिक्षुओं को आवश्यकता से काफी कम पानी मिल रहा है। खाना भी समय से नहीं मिल रहा है। हंगामे के दौरान ही एक प्रशिक्षु बेहोश भी हो गई। उसे तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया। थोड़ी देर में पता चला कि एंबुलेंस से कुल पांच महिला प्रशिक्षुओं को

जिला अस्पताल ले जाया गया है। उनकी तबीयत ठीक है। फिर भी एहतियातन उन्हें भर्ती कराया गया है। पांचों प्रशिक्षुओं को डिहाईड्रेशन की शिकायत बताई जा रही है। इसके अलावा तनाव से भी उनकी तबीयत खराब हुई। महिला प्रशिक्षुओं ने आरोप लगाया कि बाथरूम की संख्या कम होने की वजह से लाइन लगानी पड़ रही है। मजबूरी में खुले में ही स्नान करना पड़ रहा है। प्रशिक्षुओं के भड़कने से ट्रेनिंग कैंप में हंगामा मच गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसी दौरान एक महिला प्रशिक्षु बेहोश हो गई। उसे एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। बता दें कि यूपी पीएसी में चयनित हुईं महिला प्रशिक्षुओं की 21 जुलाई से अलग-अलग जगहों पर ट्रेनिंग चल रही है। गोरखपुर स्थित पीएसी 26 वीं बटालियन के मुख्यालय में करीब 600 महिला प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया है। उनका आरोप है कि यहां पर सिर्फ 300 की ही क्षमता है। जबकि 600 को रखा गया है। पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इस वजह से एक दिन में एक प्रशिक्षु को 500 एमएल ही पानी दिया जा रहा है। उन्हें पानी तक के लिए तरसना पड़ रहा है। खाना भी समय से नहीं मिल पा रहा है। सुबह उठने के बाद बाथरूम के बाहर लंबी लाइन लग जा रही है। इसका विरोध करने पर गालियां दी जा रही हैं।

महाराष्ट्र में बदलते सियासी समीकरण के बीच शरद पवार ने की फडणवीस की तारीफ

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने हाल ही में अपने विरोधी दल के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की खूब तारीफ की है। शरद पवार ने बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस की कार्यशैली और राजनीतिक यात्रा की प्रशंसा करते हुए उनकी बुद्धिमता की भी तारीफ की है। शरद पवार की यह टिप्पणियां फडणवीस के 55वें जन्मदिन के मौके पर जारी महाराष्ट्र नायक नाम के एक कॉफी टेबल बुक में छपी हैं। वहीं फडणवीस ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि शरद पवार के साथ उनके सिर्फ वैचारिक मतभेद हैं और दोनों के बीच कोई शत्रुता नहीं है। फडणवीस के जन्मदिन पर जारी इस कॉफी टेबल बुक को वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश महाजन ने जारी करवाया है। इस किताब में पवार का एक लेख भी छपा है। अपने लेख में शरद पवार ने देवेंद्र फडणवीस की ऊर्जा और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है। उन्होंने लिखा, जब मैं देवेंद्र फडणवीस को उनके काम करने के तरीके को देखता हूं, तो मुझे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में अपने दिन याद आते हैं। उनके जन्मदिन पर, मैं कामना

करता हूं कि काम के प्रति उनका उत्साह हर साल बढ़ता रहे। आमतौर पर कहा जाता है कि एक सक्रिय व्यक्ति दुबला-पतला होता है, लेकिन हम दोनों में से कोई भी ऐसा नहीं है, हालांकि हम दोनों ही बहुत सक्रिय हैं। मजाक से इतर, उनके काम करने के तरीके को देखकर कई बार मैं सोचता हूं कि वे थकते कैसे नहीं? शरद पवार ने आगे कहा कि देवेंद्र फडणवीस को बचपन से ही राजनीति की शिक्षा मिली, लेकिन उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती उनके पिता और गुरु के निधन के बाद आई। उन्होंने कहा, जब वे बहुत छोटे थे, तब ही उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिल गई थी। इसलिए उनकी उपलब्धियों और सफलता के लिए उनकी सराहना की जानी चाहिए। देवेंद्र फडणवीस के पास कानून की डिग्री है और वे एक अच्छे वक्ता भी हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, धैर्य और संचार कौशल ने उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति में तब भी अपनी पहचान बनाने में मदद की, जब वे सत्ता में भी नहीं थे। राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने जिस तरह से काम किया, उसने उन्हें महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने में मदद की। शरद पवार ने आगे कहा कि वे दोनों अलग-अलग धाराओं से हैं, लेकिन वे लोगों के लिए ही काम करते हैं। फिर भी देवेंद्र फडणवीस के काम करने के कौशल को अनदेखा करना नामुमकिन है। इस बीच शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी फडणवीस को उनके जन्मदिन पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। वहीं देवेंद्र फडणवीस ने शरद पवार और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का आभार व्यक्त करते हुए पुस्तक में पवार द्वारा उनके काम के प्रति उत्साह और जुनून के बारे में की गई टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि वह उद्धव ठाकरे के आभारी हैं।

15 महीने रहने के बाद उपराष्ट्रपति एन्क्लेव छोड़ेंगे धनखड़, फिर मिलेगा इस टाइप का बंगला

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति पद से एक दिन पहले इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ सरकारी बंगले के हकदार हैं। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। धनखड़ (74) पिछले साल अप्रैल में संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड पर नवनिर्मित उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में स्थानांतरित हो गए थे। उपराष्ट्रपति के आवास और कार्यालय वाले एन्क्लेव का निर्माण सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत किया गया था। धनखड़ को लगभग 15 महीने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रहने के बाद उसे छोड़ना होगा। अधिकारी ने कहा, उन्हें (धनखड़) लुटियंस दिल्ली या किसी अन्य इलाके में टाइप आठ का बंगला देने की पेशकश की जाएगी। टाइप आठ का बंगला आमतौर पर वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों या राष्ट्रीय दलों के अध्यक्षों को आवंटित किया जाता है। टाइप 8 बंगला आमतौर पर सबसे बड़े और सबसे शानदार सरकारी आवासों में से एक होता है। इसमें कई बेडरूम (4-6 या अधिक), बड़े लिविंग रूम, डाइनिंग एरिया, स्टडी रूम, और अन्य आधुनिक सुविधाएं हो सकती हैं। ये बंगलें आमतौर पर प्रमुख शहरों के विशेष क्षेत्रों, जैसे लुटियंस दिल्ली (नई दिल्ली में), या अन्य विशेष सरकारी कॉलोनियों में स्थित होते हैं। इनमें बड़े बगीचे, गैरेज, कर्मचारी क्वार्टर, उच्च सुरक्षा, और अन्य प्रीमियम

सुविधाएं शामिल हो सकती हैं। नई दिल्ली में लुटियंस जोन में टाइप 8 बंगलें अक्सर मंत्रियों, सुप्रीम कोर्ट के जजों, या शीर्ष नौकरशाहों को आवंटित किए जाते हैं। धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, कांग्रेस ने कहा है कि धनखड़ के इस्तीफा देने के पीछे उनके द्वारा बताए गए स्वास्थ्य कारणों के अलावा कोई और अधिक गहरे कारण हैं। धनखड़ के सोमवार रात अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने से ऐसी अटकलों का बाजार गर्म हो गया है कि क्या यह 'स्वास्थ्य' कारणों से दिया गया है या इसके पीछे 'कुछ और वजह' है।

नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में होती है आत्माओं की पूजा? शादी के बाद पुरुष लेते हैं आशीर्वाद

नारायणपुर, एजेंसी। आत्माओं का घर... सुनने में आपको अटपटा जरूर लग रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। छत्तीसगढ़ में ऐसी आत्माओं का घर है, जहां इनकी पूजा होती हैं... उन्हें न्यौता दिया जाता है और परिवार की खुशहाली की कामना की जाती है। मरने के बाद शरीर तो मिट जाता है, लेकिन उनकी आत्मा इस घर में रहती है। आत्मा के घर में सिर्फ पुरूष ही जा सकते हैं। शादी-ब्याह के कार्यक्रम में भी इन आत्माओं को आशीर्वाद देने के लिए न्यौता दिया जाता है।

बस्तर संभाग में आदिवासियों की कई परंपराएं हैरान करने वाली हैं। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में आपको आत्माओं का घर देखने को मिल जाएगा। यहां आदिवासियों में आत्माओं को भी घर देने की परंपरा है। सैकड़ों साल पुरानी इस परंपरा को समाज के लोगों ने आज भी बरकरार रखा है। हिंदू मान्यताओं के मुताबिक ग्रामीण पीतर या पितृपक्ष नहीं मानते हैं, लेकिन अपने पूर्वजों को आत्माओं के घर में रखकर उनकी पूजा जरूर करते हैं। अबूझमाड़ के हर गांव में आत्माओं का घर मिलेगा। यहां हांडियों में पूर्वजों की आत्माओं को रखा गया है। आदिवासी इसे आना कुड़मा कहते हैं। गोंडी शब्द में आना यानी आत्मा और कुड़मा यानी घर होता है। इसे हिन्दी में आत्मा का घर भी कहा जा सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष देवलाल दुग्गा

ने बताया कि आदिवासी समाज के लोग इस पवित्र स्थल को लेकर बहुत ही सावधानी बरतते हैं। नई फसल को यहां चढ़ाने से पहले आदिवासी समाज के लोग इसका उपयोग नहीं करते हैं। मान्यता है कि यहां परदादा, दादा, माता-पिता के जीव को साक्षात रखते हैं। 12 महीनों पूजा करते हैं। त्योहार में विशेष पूजा होती है। आदिवासी समाज में कुड़ा, आना कुड़मा को लेकर गहरी आस्था है। वहीं ग्रामीणों का मान्यता है कि भूलवश या जानबूझकर कोई आना कुड़मा में चढ़ावा दिए बगैर नई फसल का उपयोग कर लेता है तो गांव में संकट आ जाता है। इसके निपटारे के लिए ग्रामीण गायता के पास जाते हैं, वहां गलती स्वीकार करने के बाद पूजा पाठ किया जाता है। पूर्व विधायक देवलाल दुग्गा ने बताया कि आदिवासियों की संस्कृति और परंपरा बेहद खास है। किसी भी गांव के किनारे एक मंदिरनुमा छोटा सा घर आपको दिख जाएगा। यहां एक छोटा सा कमरा होता है, जिसमें बहुत सी मृदभांड रखी रहती हैं। इन मृदभांडों में ही आदिवासी समाज के पितरों का वास होता है। आदिवासी समाज में घरों में एक कमरा पूर्वजों का भी रहता है। अबूझमाड़ के आदिवासी गांव में एक गोत्र के लोगों की बाहुल्यता होती है। किसी की मृत्यु के बाद उस गोत्र के लोगों द्वारा उनकी आत्माओं को इस आना कुरमा में स्थापित करते हैं। यह बुरी आत्माओं से बचाते हैं। देवलाल दुग्गा ने बताया कि आदिवासी समाज का मानना है कि यह उनके पितृ देव उनके रक्षक देव है। उनका एक साथ एक जगह पर होने पर उनकी शक्ति असीमित हो जाती है और वह बुरी आत्माओं का नाश करने में सहायता करते हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में मचा बवाल!

रिटायरमेंट से पहले जॉन सीना को मिली धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के आइकॉनिक सुपरस्टार जॉन सीना इस वक्त अपने करियर के अंतिम सफर पर हैं, लेकिन उनके रिटायरमेंट से पहले माहौल पूरी तरह से गरमा गया है. समरस्लेम 2025 में सीना जहां कोडी रोड्स के खिलाफ अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप डिफेंड करने जा रहे हैं, वहीं स्कॉटिश रेसलर ड्रू मैकइंटायर ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है.

मैकइंटायर ने जॉन सीना को ना सिर्फ सीधे चेतावनी दी है, बल्कि उन्हें 'जेली रोल' तक कह डाला है और डब्ल्यूडब्ल्यूई टाइटल के लिए अपनी दावेदारी भी पेश की है.

मैकइंटायर का बयान

लोगान पॉल के पॉडकास्ट में ड्रू ने खुलकर अपनी भड़ास निकाली और कहा, मैं पांच हफ्तों से बाहर था. अब मैं नए माइंडसेट और नए ड्रू के साथ लौटा हूं. अब मैं उन बेकार के पर्सनल झगड़ों में नहीं पड़ने वाला जिनमें मैं पिछले दो साल से फंसा था. सीएम पंक और डेमियन प्रीस्ट जैसे लोग मेरा वक्त बर्बाद कर रहे थे. अब मेरा फोकस सिर्फ एक चीज पर है और वो है डब्ल्यूडब्ल्यूई टाइटल. उन्होंने आगे कहा, रैंडी ऑर्टन पर मेरी हालिया जीत ने मुझे ट्रैक पर वापस ला दिया है, लेकिन जॉन सीना वह अब एक बी- है. उसने सब गड़बड़ कर दी. अब वो 'जेली रोल' बन गया है. वह अपने बेवकूफ चेहरे पर लात खाने का हकदार है.

सीना के रिटायरमेंट से पहले टकराव तय?

जॉन सीना ने जनवरी 2025 से अपना रिटायरमेंट टूर शुरू किया था और माना जा रहा है कि उनका आखिरी मुकाबला गुंथर के खिलाफ हो सकता है. मगर ड्रू मैकइंटायर के इस बयान ने तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है. अब ये अटकलें तेज हैं कि समरस्लेम में कोडी रोड्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले के बाद ड्रू बनाम सीना की भिड़ंत संभव है.

विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में वैष्णवी ने मचाया धमाल, टेनिस में पदक पक्का किया

बर्लिन, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ी ने मेजबान देश की सिना हरमेन को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामन स्लोवाकिया की एस्ट्जर मेरी से होगा। वह नंदन बल के बाद इन खेलों में पदक हासिल करने वाली दूसरी भारतीय बनेंगी। विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में टेनिस में भारत का पदक तय हो गया है। बीस साल की वैष्णवी अडकर ने जर्मनी में चल रहे खेलों की महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय खिलाड़ी ने मेजबान देश की सिना हरमेन को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामन स्लोवाकिया की एस्ट्जर मेरी से होगा। वह नंदन बल के बाद इन खेलों में पदक हासिल करने वाली दूसरी भारतीय बनेंगी। नंदन ने 1979 में मेक्सिको सिटी में रजत पदक हासिल किया था। इन खेलों में टेनिस में दो कांस्य पदक दिए जाते हैं। इस बार भारत का यह दूसरा पदक होगा, इससे पहले बैडमिंटन मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक लिया था।

यूएस ओलंपिक और पैरालंपिक समिति ने

ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला खेलों में भाग लेने पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) ने अपनी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने से प्रतिबंधित कर दिया है।

यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में जारी किए गए कार्यकारी आदेश के अनुरूप लिया गया है। यूएसओपीसी ने अपनी एथलीट सुरक्षा नीति में किए गए संशोधन में कहा, यूएसओपीसी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी), अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) और राष्ट्रीय खेल महासंघों जैसे संबंधित निकायों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगा कि महिलाओं को निष्पक्ष और सुरक्षित प्रतिस्पर्धा का माहौल मिले, जो कार्यकारी आदेश और टेड स्टीवंस ओलंपिक एवं शौकिया खेल अधिनियम के अनुरूप हो। इस बदलाव को लेकर यूएसओपीसी ने फिलहाल किसी भी मीडिया सवाल का जवाब नहीं दिया है।

यूएसओपीसी के अध्यक्ष जीन साइक्स और सीईओ सारा हिर्शलैंड ने टीम यूएसए समुदाय को एक मेमो भेजकर यह स्पष्ट किया कि एक संघीय चार्टर्ड संगठन होने के नाते, यूएसओपीसी की जिम्मेदारी है कि वह संघीय अपेक्षाओं का पालन करे। गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने फरवरी 2025 में ÷कीपिंग मेन आउट ऑफ वूमेन स्पोर्ट्स नामक एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस आदेश के तहत ट्रांसजेंडर लड़कियों और महिलाओं को महिला खेलों से बाहर रखने का निर्देश दिया गया है। समर्थकों का कहना है कि यह कदम खेलों में निष्पक्षता लाने के लिए जरूरी है, जबकि आलोचक इसे अल्पसंख्यक ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के अधिकारों का उल्लंघन मानते हैं।

इस आदेश में न केवल स्कूली और कॉलेज स्तर के खेलों को शामिल किया गया है, बल्कि इसमें अमेरिका में प्रतिस्पर्धा करने के लिए ट्रांसजेंडर महिलाओं को वीजा देने से इनकार करने का निर्देश भी शामिल है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में ट्रांसजेंडर एथलीटों को भाग लेने की अनुमति नहीं देंगे।

कभी कहती थी सिंगल ही खुश हूं...

45 की उम्र में विराट कोहली के अंदाज में शादी करेगी वीनस विलियम्स

नई दिल्ली, एजेंसी। सेरेना विलियम्स की बड़ी बहन और दुनिया की पूर्व नंबर वन महिला टेनिस स्टार वीनस विलियम्स को नया प्यार मिल गया है। वह इटली के एक्टर से शादी करने जा रही हैं। उनका होने वाला दूल्हा उनसे 8 साल बड़ा है। 45 की उम्र में विराट कोहली के अंदाज में शादी करेगी ये महिला खिलाड़ी, कभी कहती थी सिंगल ही खुश हूं. कौन कहता है कि प्यार करने की उम्र होती है और जिंदगी में एक ही बार प्यार होता है?

एक वक्त टेनिस की दुनिया की सबसे बड़ी महिला खिलाड़ी रहीं वीनस विलियम्स को ही ले लीजिए। उनसे छोटी सेरेना विलियम्स ने के को-फाउंडर के साथ 16 नवंबर 2017 को शादी की तो वीनस ने उस समय कहा था कि वह अकेले ही खुश हैं। इसका कारण कई बार उनका दिल टूटना था, लेकिन अब समय बदल चुका है। उन्हें अपना सच्चा प्यार मिल गया जी हां, कभी सिंगल ही खुश हूं कहने वाली वीनस विलियम्स

अब मिंगल होने को तैयार हैं। उन्होंने डेनमार्क के सुपर स्टार से सगाई कर ली है। वह इसी साल सितंबर में शादी करेंगे। यह शादी बिल्कुल शाही अंदाज में होने वाली है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और बॉलीवुड स्टार अनुष्का शर्मा की तरह वीनस विलियम्स और एंड्रिया प्रेति इटली (इटली के अमाल्फी तट) में शादी करेंगे। इस शादी में दुनियाभर के तमाम सेलिब्रिटीज और टेनिस स्टार्स के आने की संभावना है। 37 वर्षीय प्रेति डेनमार्क में जन्मे इटली के एक्टर और डायरेक्टर हैं। उन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। प्रेति और टेनिस की दिग्गज वीनस के बीच पहली बार जुलाई 2024 में रोमांस का सिलसिला शुरू हुआ था, जब उन्हें इटली के नेरानो में अमाल्फी तट पर नौका विहार करते देखा गया था। वीनस से प्रेति 8 साल छोटे हैं। 2025 फरवरी में सगाई की अफवाहें तब और तेज हो गईं जब अमेरिकी टेनिस सुपरस्टार को रोम में एक प्रैक्टिस सेशन के दौरान हीरे की अंगूठी पहने देखा गया और प्रेति स्टैंड से उनका उत्साहवर्धन कर रहे थे। इस जोड़े को कोर्ट के बाहर गले मिलते और चुंबन करते हुए भी देखा गया। विलियम्स ने बहामास में प्रेति के साथ एक छुट्टियों की सेल्फी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने उन्हें सबसे अच्छा साथी बताया था।

1988 में डेनमार्क में जन्मे प्रेति वन मोर डे (2014) के राइटर, निर्देशन और अभिनय के साथ छा गए थे। उन्होंने टीवी सीरीज ए प्रोफेसर और 2023 की फिल्म टेम्पटेशन सहित कई फिल्मों और टीवी सीरीज में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन और टेनिस की सबसे सफल एथलीटों में से एक वीनस का नाम इससे पहले 2012 में मॉडल एलियो पिस और 2017 में करोड़पति निकोलस हैमंड के साथ जुड़ चुका है। कॉस्मोपॉलिटन के साथ 2021 के एक साक्षात्कार में उन्होंने खुलकर बात की कि उन्हें घर बसाने या परिवार शुरू करने के लिए सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव महसूस नहीं होता। उन्होंने तब कहा था- वह सिंगल ही खुश हैं।

दूसरों से मांग- मांग कर खाती थी खाना, शुभमन गिल से मिलने के बाद बदली किस्मत, 9 बल्लेबाजों को आउट कर छाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की टीम इंडिया टेस्ट सीरीज में भले ही 1-2 से पिछड़ी हो. मगर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वहां अपने दबदबे की कहानी पूरी तरह से लिखी है. उसने टी-20 के बाद अब वनडे सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है. भारतीय महिलाओं ने 3 वनडे की सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया. भारत की इस सीरीज जीत में उसके तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ की भूमिका सबसे बढ़कर रही. अपने नाम की ही तरह उन्होंने इंग्लैंड में काम से भी क्रांति ला दी. 21 साल की भारतीय गेंदबाज ने इंग्लैंड के 9 बल्लेबाजों को अपना निशाना बनाया. इस कामयाबी के बाद वो वनडे सीरीज की सबसे सफल गेंदबाज बन गईं.

हालांकि, इंग्लैंड में गेंद से क्रांति ला देने वाली भारतीय गेंदबाज का टीम इंडिया तक का सफर आसान नहीं रहा. टीम इंडिया की जर्सी पहनकर भारत का नाम रोशन करने से पहले उन्हें अपनी जिंदगी में हर कदम पर एक जंग लड़नी पड़ी. क्रांति गौड़ और उनके परिवार को पेट पालने के लिए भी जूझना पड़ा.

दूसरों से मांग-मांग कर पड़ता था खाना

BCCI ने क्रांति गौड़ का एक इंटरव्यू जारी किया है, जिसमें वो अपने जीवन के संघर्षों के बारे में खुलकर बात कर रही हैं. उसी में उन्होंने बताया कि बुरे वक्त में खाने के लिए उन्हें दूसरों से मांगना भी पड़ा है. क्रांति गौड़ आगे कहती हैं कि पिता की नौकरी चली गई थी. उनके भाई का काम भी अच्छा नहीं चल रहा था. उन बुरे हालातों में मां के गहने बेचकर किसी तरह से घर चला. सामने आए इंटरव्यू में उन्होंने अपने क्रिकेटर बनने की जर्नी के बारे में भी बताया.

पहले दो मैचों में विकेट लेने में नाकाम, गिल से हुई मुलाकात

क्रांति गौड़ ने इसी साल मई में इंटरनेशनल डेब्यू श्रीलंका के खिलाफ किया था. कोलंबो में खेले उस वनडे मुकाबले में क्रांति को विकेट नहीं मिला. इसके बाद जुलाई 2025 में उन्होंने टी-20 डेब्यू इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में किया मगर उसमें भी विकेट नहीं मिला. बैक टू बैक दो डेब्यू पर नाकामी के बाद क्रांति गौड़ की मुलाकात इंग्लैंड में ही किंग से मिलने-जुलने के दौरान शुभमन गिल से हुई. क्रांति गौड़ ने शुभमन गिल से मुलाकात की अपनी तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है.

शुभमन गिल से मिलने के बाद गेंदबाजी में 'क्रांति'

15 जुलाई को क्रांति गौड़ की शुभमन गिल से ये मुलाकात हुई और 16 जुलाई से उनकी किस्मत बदलनी शुरू हो गई. असर ये हुआ कि अपने इंटरनेशनल करियर के पहले दो मैचों में विकेट लेने में नाकाम रहने वाली क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के 3 मैचों में 15.11 की औसत से 9 विकेट चटका दिए . इसमें से अकेले 6 विकेट उन्होंने सिर्फ उस आखिरी मैच में लिए, जिससे सीरीज का फैसला होना था.

राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक पर BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने घोषणा की कि वे पहले राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक का अध्ययन करेंगे, जो बुधवार को संसद में पेश किया जाना है, और उसके बाद ही वे इस पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार ने खुलासा किया कि बीसीसीआई प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025 के दायरे में आएगी जिसे संसद के मानसून सत्र में पेश किए जाने की उम्मीद है।

हालांकि बीसीसीआई सरकारी धन पर निर्भर नहीं है, फिर भी विधेयक में इसके शामिल होने की व्यापक रूप से उम्मीद थी, खासकर 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय क्रिकेट टीम की प्रस्तावित भागीदारी को देखते हुए। शुक्ला ने विधेयक पेश होने से पहले इस पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा, हमें विधेयक पेश होने के बाद इसका अध्ययन करना होगा। उसके बाद ही मैं इस पर अपने विचार व्यक्त कर सकता हूं। बीसीसीआई तमिलनाडु सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1975 के तहत पंजीकृत है। बीसीसीआई भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के सभी पहलुओं की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। फिलहाल बीसीसीआई 45 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों के अंतर्गत नहीं आता है।

अगर भारतीय क्रिकेट बोर्ड इस विधेयक के दायरे में आता है, तो वह सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अधीन भी आ सकता है।

चाईना ओपन बेडमिंटनः

सिंधू ने मियाजाकी को हराया, सात्विक-चिराग की जोड़ी भी अगले दौर में पहुंची

चांग्झू, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व की 15वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को केवल 31 मिनट में 21-13, 21-9 से हराकर दमदार शुरुआत की। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी वी सिंधू ने बुधवार को जापान की छठी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में प्रवेश किया।

सिंधू ने शानदार शुरुआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़त बना ली और फिर आसानी से यह गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में मियाजाकी ने शानदार वापसी की और लगातार नौ अंक लेकर 12-8 की बढ़त बना ली। जापान की खिलाड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराया, अपना आखिरी मैच खेल रहे आंद्रे रसेल ने बनाए 36 रन

किंगस्टन, एजेंसी। एडम जम्पा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद जॉश इंग्लिश नाबाद (78) और कैमरन ग्रीन (56) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 28 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में मात्र 13 रन के स्कोर पर ग्लेन मैक्सवेल (12) के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया था। टीम को दूसरा झटका 42 रन के स्कोर पर कप्तान मिशेच मार्श (21) के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद जॉश इंग्लिश और कैमरन ग्रीन ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट

के लिए 131 रनों की अविजित साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलिया ने 15.2 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया।

जॉश इंग्लिश ने 33 गेंद में पांच छक्के और सात चौकों की मदद से नाबाद 78 रनों की पारी खेली। वही कैमरन ग्रीन 32 गेंद में चार छक्के और तीन चौके लगाते हुए नाबाद 56 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से जेसेन होल्डर और अल्जारी जोसेफ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। ब्रैंडन किंग 36 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से (51) रनों की पारी खेली। कप्तान होप 13 गेंद में नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सके और एक के बाद एक विकेट गवांते चले गए। इस दौरान वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने भी आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। शिमरोन हेटमायर 10 गेंद में 14 रन, रोस्टन चेज 16 गेंद में 16 रन, रोवमन पॉवेल 14 गेंद में 12 रन और शेरफेन रदरफोर्ड (शून्य) पर पवेलियन लौट गए।

अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे आंद्रे रसेल ने 15 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन की पारी खेली। होल्डर एक रन बनाकर आउट हुए। आखिर में गुडाकेश मोती ने 9 गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जैम्पा ने तीन विकेट लिए। नाथन एलिस और मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। वहीं, बेन ड्वारशुइस को एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से जीती वनडे सीरीज, भारत की बेटियों ने बना दिया अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतते हुए इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेले गए तीसरे वनडे मैच को 13 रन से अपने नाम किया। ऐसा पहली बार है, जब भारत की महिला टीम ने इंग्लैंड के एक ही दौरे पर सीमित ओवरों की दोनों सीरीज जीतीं। वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड के विरुद्ध पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की थी। इंग्लैंड के अलावा भारतीय महिला टीम विदेशी सरजमीं पर तीन देशों के खिलाफ यह कारनामा कर चुकी है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में वनडे सीरीज 2-1, जबकि टी20 सीरीज 3-1 से अपने नाम की। उसी साल टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1, जबकि टी20 सीरीज 4-0 से जीती। साल 2019 में भारत की महिला टीम ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध वनडे सीरीज 2-1 जीती। वहीं, टी20 सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया।

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में उसी की सरजमीं पर वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक की मदद से पांच विकेट खोकर 318 रन बना

दिए। प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 64 रन की साझेदारी हुई। प्रतिका 26, जबकि मंधाना 45 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद कप्तान ने हरलीन देओल के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन जुटाए। देओल ने 65 गेंदों में 45 रन बनाए। हरमनप्रीत कौर ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ चौथे विकेट के लिए 110 रन जोड़ते हुए भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। जेमिमा ने 50 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कौर ने 84 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रन की पारी खेली।

विपक्षी टीम की तरफ से लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, चार्ली डीन, सोफी एक्लेस्टोन और लिंसी स्मिथ ने एक-एक विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवरों में 305 रन पर सिमट गई। टीम आठ के स्कोर तक सलामी दोनों बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी थी। यहां से एम्मा लैंब ने कप्तान नतालिया-साइवर-ब्रंट के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन जोड़ते हुए टीम की उम्मीदों को जगाया।

लैंब ने 81 गेंदों में 68 रन बनाए, जबकि ब्रंट ने 105 गेंदों में 11 चौकों के साथ 98 रन की पारी खेली। इनके अलावा एलिस रिचर्ड्स ने 44, जबकि सोफिया डंकले ने 34 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। भारत की ओर से क्रांति गौड़ ने 52 गेंदों में सर्वाधिक छह विकेट अपने नाम किए, जबकि श्री चरणी ने दो विकेट झटके। इनके अलावा दीप्ति शर्मा को एक विकेट हाथ लगा।

शासकीय भवनों की छतों पर बिना निवेश के लगेंगे सोलर रूफटॉप संयंत्र

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' में रेस्को पद्धति से लगेंगे सोलर सिस्ट

प्रदेश के सभी शासकीय भवन दिसम्बर-2025 तक किये जाने हैं सौर ऊर्जीकृत

सभी जिलों के लिये पृथक-पृथक निविदाएँ जारी कर माँगी गयी दरे

शहडोल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगा वॉट नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित कर रहे है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' में प्रदेश के सभी शासकीय भवनों को दिसम्बर-2025 तक सौर ऊर्जीकृत किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये ऋक्ष्स्ह्र द्वारा सभी जिलों में पृथक-पृथक निविदाएँ जारी कर दर आमंत्रित की गयी है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने बताया है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' में प्रदेश में राज्य शासन के भवनों की छतों पर रेस्को पद्धति अंतर्गत सोलर रूफ़टॉप संयंत्र लगाने हैं। शासकीय विभागों को इन सौर परियोजनाओं में कोई निवेश नहीं करना होगा। शासकीय कार्यालयों द्वारा ऊर्जा के उपयोग के लिए ऋक्ष्स्ह्र विकासक को प्रति यूनिट भुगतान करना होगा। रेस्को द्वारा लगाये गये संयंत्र की प्रति यूनिट दर विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा निर्धारित व्यवसायिक दर (जिसमें शासकीय कार्यालय भी शामिल हैं) से काफी कम होगी। इस प्रकार शासकीय कार्यालय शून्य निवेश, पहले दिन से बचत, नेट जीरो'' के सिद्धांत पर कार्य कर सकेंगे। आरईएससीओ

आरईएससीओ परियोजना अंतर्गत म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा प्रत्येक जिले के लिए पृथक-पृथक निविदा जारी की गई है। इसमें आरईएससीओ विकासकों से प्रत्येक जिले के लिए पृथक-पृथक दर माँगी गई है। प्रत्येक जिले की न्यूनतम दर के आधार उस जिले में ऋक्ष्स्ह्र परियोजनाएँ स्थापित होंगी। भोपाल जिले में अधिकतम 15.6 एमडब्ल्यू की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जबकि ग्वालियर जिले में 5.26 एमडब्ल्यू , इंदौर जिले में 3.12 एमडब्ल्यू, छिंदवाड़ा जिले में 1.43 एमडब्ल्यू, दतिया जिले में 1.4 एमडब्ल्यू, धार जिले में 1.34 एमडब्ल्यू की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।

शासकीय विभागों/संस्थाओं के भवन पर आरईएससीओ इकाई द्वारा 25 वर्ष की अवधि के लिये सोलर रूफ़टॉप संयंत्र स्थापित किये जायेंगे। इस पूरी अवधि तक सोलर रूफ़टॉप संयंत्र का रख-रखाव आरईएससीओ इकाई द्वारा किया जाएगा। आरईएससीओ की आय पूरी तरह से 25 वर्ष तक सौर ऊर्जा के उत्पादन पर आधारित है। इससे आरईएससीओ विकासक सौर संयंत्र से अधिकतम उत्पादन की कोशिश करेंगे, जिससे शासकीय विभागों को अधिकाधिक लाभ होगा। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2018 से 2020 के बीच म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा राज्य में 133 शासकीय कार्यालयों में सफलतापूर्वक आरईएससीओ पद्धति से सोलर रूफ़टॉप संयंत्र लगाए, जो सफलतापूर्वक संचालित हैं। इसमें आईआईएम इंदौर, सीएपीटी भोपाल, शासकीय मेडिकल कॉलेज (रीवा, शिवपुरी, खण्डवा, दतिया, विदिशा), एनएलआईयू भोपाल,एजी कार्यालय ग्वालियर, एसएआई भोपाल, भारत सरकार का पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन आदि शामिल हैं। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सफल एवं दक्षतापूर्ण क्रियान्वयन से निश्चित ही प्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में होगा।

हाई स्कूल टिकरिया के प्रभारी प्राचार्य पर कार्यवाही की मांग

पन्ना। जिले की शाहनगर तहसील अंतर्गत हाई स्कूल टिकरिया में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य संतोष कुमार प्यासी लापरवाह बने हुए हैं जिससे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था बहुत ही लचर है तथा छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रभारी प्राचार्यसंतोष कुमार प्यासी समय से स्कूल नहीं पहुंचते हैं जिससे अन्य स्टाफ भी लापरवाह है तथा छात्र छात्राओं की शैक्षणिक व्यवस्था बिगड़ी हुई है उक्त मामले को लेकर मध्य प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के जिला प्रवक्ता डॉ एमपी पांडे ने संबंधित प्राचार्य के खिलाफ कार्यवाही करने जिले के प्रभारी मंत्री संवेदनशील कलेक्टर सुरेश कुमार जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी जिला शिक्षा अधिकारी रवि प्रकाश खरे से कार्यवाही करने की मांग की है।

एक तरफ पुलिस का नशा मुक्ति अभियान दूसरी तरफ गांव-गांव बिक रही है अवैध शराब

भगवती मानव कल्याण संगठन ने पकड़ी अवैध शराब

पन्ना

परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के दिशा निर्देशन में भगवती मानव कल्याण संगठन व भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में पूरे देश में नशामुक्ति जनांदोलन चलाया जा रहा है । जिसका उद्देश्य लोगों को नशा से मुक्त करना है पन्ना जिले के रैपुरा थानांतर्गत पटी रोड पर 2 पेटी (कुल 100 पाव प्लेन) अवैध शराब पुलिस को सूचना देकर पकड़ी। 2 व्यक्ति जिनके नाम संतराम निवासी अमानगंज,दूसरा दीपराज निवासी छतरपुर एक मोटरसाइकिल बिना नंबर की 2 पेटी अवैध शराब ले जा रहे थे। संगठन ने अवैध शराब रैपुरा पुलिस को सौंपी व मामला दर्ज कराया है भगवती मानव कल्याण संगठन व भारतीय शक्ति चेतना पार्टी का मुख्य उद्देश्य समाज को नशा मुक्त करना भय-भूख-भ्रष्टाचार, जातिवाद-छुआछूत , सांप्रदायिकता से मुक्त कर चेतनावान-चरित्रवान समाज के निर्माण करना है

लापरवाह पटवारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग

पन्ना। सर्वे में पात्र पाये गए ढाई सैकड़ा से अधिक भूमिहीनों को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पन्ना द्वारा भूमिहीनों को आवासीय पट्टे ना देकर उन्हें परेशान करने की नियत से पुन: सर्वे करना सरासर ग़लत है। फिर भी तहसीलदार पन्ना के माध्यम से पुन: सर्वे कराने की कड़ी में लगभग 1 वर्ष से पन्ना पटवारी द्वारा प्रत्येक भूमिहीनों की खसरा रिपोर्ट न देने में लापरवाही के प्रति जनसुनवाई में एक निश्चित तारीख के तहत पटवारी द्वारा भूमिहीन व्यक्तियों की खसरा रिपोर्ट तहसील कार्यालय में प्रस्तुत करने की मांग के साथ निश्चित अवधि में पटवारी द्वारा कार्रवाई न करने की स्थिति में लापरवाह पटवारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है ज्ञात हो कि उक्त मुद्दे को लेकर पन्ना जिले के समाजसेवी साहित्यकार लक्ष्मी नारायण चिरौलिया लगातार संघर्ष कर रहे हैं लेकिन शासन प्रशासन द्वारा गरीबों के साथ न्याय नहीं किया जा रहा है उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा लगातार जनसुनवाई तथा सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई है लेकिन अभी तक मामले में कोई कार्यवाही नहीं हो रही है प्रजातंत्र की सरकार में गरीबों को न्याय क्यों नहीं मिल रहा है।

जिला पंचायत परिसर में किया गया वृक्षारोपण दिव्यांग जागेश्वरी ने पांव से पौधा किया रोपित

पन्ना। जिले में लगातार वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है इसी कड़ी में पत्रकार एकता मंच द्वारा जिला पंचायत परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रमआयोजित किया गया जिसमें दिव्यांग जागेश्वरी गर्ग निवासी नादान तहसील रैपुरा द्वारा वृक्षारोपण में भाग लिया तथा उनके द्वारा पांव से पौधे रोपित किए गए क्योंकि दिव्यांग जागेश्वरी गर्ग के दोनों हाथ नहीं है जागेश्वरी गर्ग लगातार पढ़ाई भी कर रही हैं तथा लोगों को संदेश

दे रही हैं हाथ न होने के बावजूद यदि जज्बा है तो आप कुछ भी कर सकते हैं ऐसा अवसर पर पत्रकारिता मंच के अध्यक्ष शिवकिशोर पांडे सहित अनेक पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

मैहर जिले में अब तक 631.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना। मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से 23 जुलाई 2025 तक 631.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में 656 मि.मी., मैहर में 570.9 मि.मी. एवं रामनगर में 666.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 919.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 299.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

सर्प दंश से युवक की मौत

पन्ना। पन्ना जिले में स्वास्थ्य सुविधाएं पटरी से उतरी हुई है स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बड़ी दुर्दशा है अधिकांश स्वास्थ्य केदो में डॉक्टर पदस्थ नहीं है जिससे इलाज के अभाव में लोग भारी परेशान हैं तथा उन्हें 100 किलोमीटर दूर इलाज कराने जाना पड़ता है सबसे बुरी स्थिति आदिवासी बहुल क्षेत्र कल्दा सलेहा की है जहां पर डॉक्टर पदस्थ नहीं है केवल भवन बना हुआ है तथा नर्सों के भरोसे स्वास्थ्य केंद्र संचालित हो रहे हैं बरसात के दिनों में आदिवासी बहुल क्षेत्र में कल्दा में सर्प दंश की घटनाएं बहुत होती हैं क्योंकि डॉक्टर ना होने से इलाज भी नहीं मिल पाता है इसी प्रकार की घटना बीती रात घटित हुई जिसमें संत कुमार आदिवासी पिता स्वामी दिन उम्र लगभग 24 वर्ष को रात्रि में सर्प ने डस लिया इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र कल्दा लाया गया लेकिन उसकी इलाज न मिलने से मृत्यु हो गई पोस्टमार्टम के लिए स्वयं के वाहन से 80 किलोमीटर दूर गुनौर लाया गया जहां पर उसका पोस्टमार्टम कराया गया इस प्रकार की स्थिति जिले में निर्मित है।

प्रधान आरक्षक ने की धोखाधड़ी, तीन लाख का लगाया चूना

आवेदक की रिपोर्ट पर मामला दर्ज

पन्ना। सलेहा थाना में पदस्थ रहे प्रधान आरक्षक अनिल बागड़ी द्वारा लोगों से नौकरी लगने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की हैउक्त संबंध में आवेदक प्रशांत खरे पिता हीरालाल खरे निवासी कटवारिया ने सलेहा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मुझे प्रधान रक्षक अनिल बागरी द्वारा तीन लाख सोलह हजार रुपए लिए तथा नौकरी लगाने का वादा किया था लेकिन अब उनके द्वारा पैसे वापस नहीं किए जा रहे उक्त मामले को लेकर सलेहा थाना में प्रधान आरक्षक अनिल बागरी के खिलाफ प्रशांत खरे की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है बताया जाता है कि श्री बागरी द्वारा प्रशांत खरे के अलावा और भी अनेक लोगों से पैसे लेकर धोखाधड़ी की गई है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह संबंधी बैठक 28 जुलाई को

सतना। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में 28 जुलाई को प्रात: 10.30 बजे टीएल मीटिंग के पूर्व बैठक आयोजित की गई है।

महाविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण 25 जुलाई को

सतना। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद पद्मधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना में 25 जुलाई को प्रात: 11 बजे से नगर निगम और जिला स्तर पर एनएसएस के तत्वाधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। शासकीय महाविद्यालय सतना की एनएसएस जिला संगठक डॉ. क्रान्ति मिश्रा ने बताया कि एक पेड मां के नाम कार्यक्रम में 500 से अधिक पौधे रोपे जायेंगे।

कलेक्टर मैहर ने बैठकों के निर्धारित किये दिवस

सतना। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में माह के प्रत्येक बुधवार को होने वाली टीएल बैठक के बाद विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक के दिवस भी निर्धारित किये हैं। इसके अनुसार प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को टीएल की बैठक के बाद जिला स्वास्थ्य समिति, महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा होगी। द्वितीय बुधवार को टीएल के बाद जल जीवन मिशन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि विभाग, सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी तथा उद्यानिकी विभाग, तीसरे बुधवार को सीईओ जिला पंचायत, जनपद पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, आजीविका मिशन और प्रधानमंत्री शक्ति योजना मध्यान्ह भोजन की समीक्षा की जायेगी। चतुर्थ बुधवार को नगरीय विकास विभाग और निर्माण विभागों लोक निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सडक, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, पीआईयू, एमपीआरडीसी तथा हाउसिंग बोर्ड की गतिविधियों की समीक्षा बैठक टीएल के बाद आयोजित होगी। कलेक्टर द्वारा प्रत्येक माह के तृतीय शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से राजस्व अधिकारियों की बैठक ली जायेगी। इन बैठकों के अलावा आवश्यकतानुसार अन्य दिनों में संबंधित विभागों की समय-समय पर बैठकें ली जायेगी।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर की गई कार्यवाही

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देश पर बुधवार को नगर परिषद् उचेहरा में सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से अभियान चलाया गया। इस दौरान बाजार क्षेत्र तथा बस स्टैण्ड में अमानक पन्नी जप्त करते हुए जुर्माने की कार्यवाही की गई। जिसमे एक दर्जन से अधिक दुकानों मे 9 किलो 700 ग्राम पन्नी जप्त की गई और् 1300 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। इस अभियान में मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, राजस्व प्रभारी राजेश प्रताप सिंह एवं नगर पंचायत का अमला उपस्थित रहा।

राज्यमंत्री ने किया सड़क एवं गेट निर्माण कार्य का भूमिपूजन

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने बुधवार को ग्राम सुहौला में भर्री के मध्य लघु निर्माण मद द्वारा स्वीकृत 93.07 लाख रूपये की लागत से बनने वाले रपटा, स्टॉप डेम तक पहुंच मार्ग एवं गेट निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। राज्यमंत्री ने कहा कि कराये जा रहे विकास कार्य नागरिकों की सुविधा और क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनता के विश्वास और सहयोग से रैगांव विधानसभा को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाना हमारा संकल्प है। इस मौके पर सीईओ जनपद पंचायत सोहावल प्रतिपाल बागरी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी तथा बडी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

एक आदतन अपराधी जिला बदर

सतना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 धारा-5 के अन्तर्गत जिले के एक आदतन अपराधी को सम्पूर्ण सतना जिला एवं समीपवर्ती जिला पन्ना, रीवा, मैहर की राजस्व सीमा से बाहर चले जाने के आदेश दिए हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा थाना कोलगवां अंतर्गत कोलगवां मोहल्ला निवासी शिब्बू उर्फ श्रेयांश यादव पिता दिन्नी उर्फ दिनेश यादव उम्र 25 वर्ष को उपरोक्त जिलों की सीमाओं से बाहर जाकर अपना आचरण सुधारने के निर्देश देने के साथ ही बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त किए एक वर्ष की कालावधि तक इन जिलों की सीमाओं में प्रवेश नहीं करने का आदेश दिया गया है।

नशे से दूर रहकर विद्यार्थी जीवन को सकारात्मक दिशा में बढ़े आगे : डीआईजी

विद्यार्थियो ने लगाए नशे से दूरी है जरूरी के नारे लगाते हुए निकाली गई जागरूकता रैली

शहडोल

पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सविता सुहाने की उपस्थिति में थाना ब्यौहारी अंतर्गत भारतीय विद्यालय ब्यौहारी में नशे के दूरी है जरूरी अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस उप महा निरीक्षक सुश्री सविता सुहाने ने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य के लिए घातक है, बल्कि परिवार एवं समाज के लिए भी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। नशे से दूर रहकर अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाएँ। साथ ही अभिभावकों एवं समाज के सभी वर्गों से भी सहयोग की अपेक्षा की गई है कि वे इस अभियान में सहभागी बनें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें।

साथ ही नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सविता सुहाने के नेतृत्व में विद्यार्थियो ने जन जागरूकता रैली निकाली तथा हमारा है यही संदेष, नषा मुक्त हो मध्यप्रदेष, नशे से दूरी है जरूरी जैसे नशा मुक्ति संबंधित अन्य नारे लगाए। कार्यक्रम में थाना प्रभारी श्री अरूण कुमार पाण्डेय सहित विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

पंचायत उप निर्वाचन के लिए मतगणना हेतु प्रशिक्षण आज

सतना। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध) में पंचायतों में रिक्त सरपंच पद के ईव्हीएम से मतों की गणना 26 जुलाई को की जायेगी। ईव्हीएम से मतों की गणना के कार्य हेतु नियुक्त किये गये पर्यवेक्षक एवं गणना सहायक को 24 जुलाई को दोपहर 3 बजे संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन सतना के सभागार में प्रशिक्षण दिया जायेगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स डॉ. बीके गुप्ता एवं शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के व्याख्याता डॉ. बीएल बागरी को गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायक को ईव्हीएम से मतों की गणना करने के संबंध में प्रशिक्षण देने को कहा है।

12 प्रकरणों में 48 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

सतना। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत 12 व्यक्तियों की मृत्यु प्राकृतिक आपदा में होने से उनके परिजनों को 4-4 लाख प्रत्येक के मान से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मझगवां एपी द्विवेदी द्वारा 48 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। उपखण्ड मजिस्ट्रेट मझगवां से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील मझगवां अंतर्गत निवासी भल्लू मवासी, अजीत रावत, महेश रावत, गौरा कुशवाहा, नंदलाल रावत, संतोष सिंह गोंड, श्रीराम यादव, कृष्णा यादव, देवप्रकाश तिवारी के परिजन की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार उमेश डोहर और महादेव चौरसिया के परिजन की मृत्यु सर्पदंश से होने तथा केशकली खटिक के परिजन की मृत्यु अतिवृष्टि से दीवार गिरने से होने पर 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी

सतना। तहसील रामनगर अंतर्गत ग्राम खारा पोस्ट बडा इटमा के आवेदक वृन्दावन मिश्रा द्वारा जनसुनवाई में शिकायत की गई है कि हल्का खारा में प्रतिवेदित शासकीय आराजी नम्बर 390 के अंशभाग पर प्राचार्य राजू साकेत द्वारा अवैध मकान बनाकर अतिक्रमण किया गया है। अपर कलेक्टर मैहर शैलेन्द्र सिंह ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बडा इटमा न्यू रामनगर के प्राचार्य राजू साकेत को नोटिस जारी करते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाकर अपनी रिपोर्ट 3 दिवस में कार्यालय में समक्ष प्रस्तुत करें।

मैहर में त्रिस्तरीय पंचायत सम्मेलन, 24 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

शीघ्र मांगें पूरी करे प्रशासन वरना करेंगे आंदोलन : विष्णु धर

मैहर। त्रिस्तरीय पंचायत सम्मेलन के बैनर तले देशभर से आए सरपंचों और जिला अध्यक्षों ने अपनी 24 सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। सरपंच संघ के अध्यक्ष विष्णु धर उरमलिया की अगुवाई में

पटेल मैरिज गार्डन से रैली निकालते हुए सैकड़ों लोगों ने नारेबाजी कर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया रैली के बाद प्रतिनिधिमंडल ने मैहर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें पंचायतों की स्वायत्तता को सशक्त करने, विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट आवंटन, सरपंचों को अधिक अधिकार देने और पंचायत सचिवों की समस्याओं के समाधान जैसी प्रमुख मांगें शामिल थीं।

सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं, लेकिन उनके पास संसाधनों और अधिकारों की कमी है। अपने संबोधन में सरपंच संघ के अध्यक्ष विष्णु धर उरमलिया ने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं लेकिन सीमित संसाधनों के अभाव में जनहित के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर शीघ्र मांगो पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जायेगा।

कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया एवं अपनी समस्याएं साझा कीं। आयोजन शांतिपूर्ण रहा।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, गुरुवार 24 जुलाई 2025

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में आयोजित किये जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के तहत शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय त्योंथर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें

आमजन को प्राप्त होने वाली राजस्व संबंधी सेवाओं का नियत समय में लाभ दिलाना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करते हुए आमजन को राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ नियत समय सीमा में दिलायें।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी राजस्व न्यायालय व कार्यालय समय पर खुले। लोगों के न्यायालयीन प्रकरणों की नियमित सुनवाई की जाय तथा राजस्व से संबंधित प्रकरणों का तत्परता से निराकरण हो। उन्होंने कहा कि राजस्व के प्रकरण 3 माह से अधिक लंबित नहीं रहने चाहिए। सभी तहसीलदार पूर्व के

लंबित प्रकरणों का 15 दिवस में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने नामांतरण के समय सीमा से अधिक दिनों तक लंबित प्रकरणों में संबंधित नायब तहसीलदारों को नोटिस देने तथा समय सीमा से अधिक दिनों से लंबित सेवाओं के लिये संबंधितों पर अर्थदण्ड अधिरोपित करने के निर्देश बैठक में दिये गये।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने प्राकृतिक आपदाओं में प्रकरणों का परीक्षण कर एसडीएम को तत्परता से निराकृत कर संबंधितों को सहायता राशि प्रदाय करने के निर्देश दिये। उन्होंने आरसीएमएस में 2 से 5 वर्ष के लंबित प्रकरणों का निराकरण कर अभिलेख सुधार के प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही किये जाने की बात कही। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा कि सभी तहसील एक ग्रेड में रहे तथा 50 दिनों से अधिक दिनों से लंबित शिकायतों का निराकरण करें तथा जिले में संचालित हो रहे शिविरों में भी निराकरण करायें। उन्होंने संवाद से समाधान कार्यक्रम में बटवारा प्रकरणों का मौके पर निराकरण करने के निर्देश दिये। बैठक में जनसुनवाई के प्रकरणों का निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। उन्होंने जिले में फार्मर रजिस्ट्री में अपेक्षित प्रगति न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा तत्परता से कार्य किये जाने के निर्देश दिये। भूअर्जन के संबंध में संबंधित विभाग से समन्वय बनाकर प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। उन्होंने मनगवां एवं सिरमौर के तहसील भवन निर्माण के लिये प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश बैठक में दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, समस्त एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, जिला प्रबंधक ईगवर्नेंस आशीष दुबे, जिला प्रबंधक लोक सेवा रविकांत पाण्डेय सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

रीवा संभाग में अब तक 656 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। रीवा संभाग में एक जून से अब तक 656 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। संभाग में इस अवधि में रीवा जिले में 452.8 मिलीमीटर, सतना में 567 मिलीमीटर, मैहर में 631 मिलीमीटर, मऊगंज में 907 मिलीमीटर, सीधी में 769 मिलीमीटर तथा सिंगरौली जिले में 611 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में संभाग में 198 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। संभाग में सिंचाई के प्रमुख स्त्रोत बाणसागर बांध में 23 जुलाई को सुबह 8 बजे तक जल स्तर 338.71 मीटर तक पहुंच गया है। गत वर्ष 23 जुलाई तक इसका जल स्तर 331.74 मीटर पर था। बांध में 71 प्रतिशत जल भराव हो गया है।

उप मुख्यमंत्री आज एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम में होंगे शामिल

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल हरियाली महोत्सव के तहत एक पेड़ माँ अभियान में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय परिसर, रीवा में 24 जुलाई को दोपहर 12 बजे को पौधरोपण करेंगे। कार्यक्रम में सांसद श्री जनार्दन मिश्रा अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे जबकि कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। हरियाली महोत्सव के संयोजक प्रोफेसर जयराम शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम में संभाग एवं जिले के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय के अध्यापक व छात्र, शहर से साहित्यकार, संस्कृतिधर्मी ,शिक्षाविद व विभिन्न क्षेत्रों में अग्रगण्य वरिष्ठजन % एक पेड़ मां के नाम रोपेंगे% । नगर के सभी पर्यावरण प्रेमियों से आग्रह किया गया है की हरियाली अमावस्या के दिन आयोजित इस महोत्सव में अपनी भागीदारी निभाकर पर्यावरण सुरक्षा की इस महाअभियान में अपना योगदान दें।

उप मुख्यमंत्री आज आयेंगे रीवा

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा 24 जुलाई को प्रात- 8 बजे रीवा आयेंगे तथा सुबह 10.30 बजे न्यू सर्किट हाउस में रीजनल टूरिज्म कान्क्लेव की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। श्री शुक्ल दोपहर 12 बजे माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय रीवा परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री जी स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के उपरांत रात्रि विश्राम करेंगे।

न्यायाधीशगणों द्वारा किया गया बालकों को जागरूक

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में तथा जिला न्यायाधीश डॉ. श्रीमती अंजली पारे और न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में ज्ञानस्थली सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि श्रीमती अंजली पारे ने बच्चों को लैगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पाक्सो अधिनियम में बालक एवं बालिकाओं के यौन शोषण करने वाले अपराधियों के लिये तीन वर्ष से लेकर मृत्युदण्ड तक का प्रावधान है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपने उद्ववोधन में कहा कि बालको कि सुरक्षा एवं सुरक्षित वातावरण में उनका विकाश होना समाज का दायित्व है। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम, पाक्सो अधिनियम एवं बालकों के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने नि:शुल्क विधिक सहायता योजना के बारें में बताया।

लीगल एड. डिफेस के असिस्टेट अनीश कुमार पाण्डेय ने विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में आभार प्राचार्य श्रीमती सलोनी बद्रा द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यालय के डायरेक्टर प्रणव सिंह एवं समस्त शिक्षकगण व छात्र छात्राये उपस्थित रहे।

नवांकुर संस्था की आदर्श नर्सरी में तैयार किए गए 1800 पौधे

रीवा। जिले भर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जन अभियान परिषद द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक संगठनों के सहयोग से वृक्षारोपण किया जा रहा है। जन अभियान परिषद से जुड़े स्वसहायता समूहों तथा नवांकुर संस्थाओं ने वृक्षारोपण के लिए बड़ी संख्या में पौध तैयार किए हैं। इस संबंध में संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि रीवा जिले के गंगेव विकासखण्ड में नवांकुर संस्था माँ बम्बा देवी सामाजिक समिति द्वारा विभिन्न प्रजातियों के 1800 से अधिक पौधे तैयार किए गए हैं। इन पौधों को ग्राम बेलवा पैकान में आदर्श नर्सरी में तैयार किया गया है। इन पौधों के रोपण के लिए तैयारियाँ की जा रही हैं। हरियाली अमावस्या में नवांकुर संस्था से जुड़ी महिलाओं द्वारा हरियाली यात्रा निकालकर इन पौधों का समारोह पूर्वक रोपण किया जाएगा। रीवा और मऊगंज जिले में अन्य नवांकुर संस्थाएं भी एक पेड़ माँ के नाम अभियान में पौधे रोपित करने के लिए बड़ी संख्या में पौधे तैयार कर रही हैं।

रीवा निवेश क्षेत्र के वृद्धि हेतु प्रस्ताव संबंधी बैठक संपन्न

रीवा

रीवा निवेश क्षेत्र के वृद्धि हेतु प्रस्ताव संबंधी बैठक कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में संपन्न हुई। बैठक में महापौर अजय मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, आयुक्त नगर निगम सौरभ सोनवणे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में रीवा विकास योजना के तहत वर्ष 2023 में नगर निगम में 10 ग्राम सम्मिलित किये जाने के फलस्वरूप निवेश क्षेत्र के कुल 27 ग्राम एवं संस्पर्शी 40 ग्राम सम्मिलित है। महापौर अजय मिश्र ने कहा कि शहर के बढ़ते हुए आकार के अनुरूप नये शहर के अनुसार जमीन के चिन्हांकन की प्रक्रिया आवश्यक है। विस्तृत कार्ययोजना के अनुसार शहर की सीमा के छूटे गये ग्रामों को भी सम्मिलित किये जाने का प्रस्ताव शामिल करें। उन्होंने सर्वे के अनुसार ग्रामों को जोड़े जाने की बात कही।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्देश दिये कि नगर विस्तार जो ग्राम सम्मिलित किये जांय उनका परीक्षण कर कार्ययोजना में शामिल करें। नगर एवं ग्राम निवेश के सहायक संचालक नागेश पेड्रो ने बताया कि रीवा निवेश क्षेत्र अन्तर्गत 40 ग्रामों के 7908.48 हेक्टेयर में शामिल 45684 जनसंख्या तथा नगर निगम क्षेत्र के 6591.97 हेक्टेयर की 2 लाख 35 हजार 654 जनसंख्या सहित कुल निवेश क्षेत्र 14500 हेक्टेयर होकर जनसंख्या 2 लाख 81 हजार 338 प्रस्तावित है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में विभागों द्वारा किया जा रहा पौधारोपण

रीवा। संभाग के सभी जिलों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधे रोपित किए जा रहे हैं। आद्योगिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, समाजसेवी संस्थाओं तथा विभिन्न विभागों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के इस प्रयास में भागीदारी निभाई जा रही है। कमिश्नर बीएस जामोद द्वारा विभिन्न विभागों को 31 जुलाई तक वृक्षारोपण के लक्ष्य पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। इस क्रम में शासकीय महाविद्यालय चुरहट में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ

आरपी सिंह तथा अन्य प्राध्यापकों ने पौधे रोपित किए। नगर परिषद मनगवां में 22 जुलाई को पार्क में आम, जामुन, नारियल तथा अन्य फलदार पौधे रोपित किए गए। खनिज विभाग द्वारा सभी स्वीकृत खदानों के आसपास रिक्त भूमि पर पौधे रोपित कराए जा रहे हैं। रीवा और मऊगंज जिले की 12 खदानों में फलदार पौधे रोपित किए गए।

सिंगरौली जिले में कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा किसानों की खेत के मेड़ में पौधे रोपित कराए जा रहे हैं। इस क्रम में गत दिवस विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक ने देवसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आम के पौधे रोपित किए। रीवा-हनुमना फोरलेन हाइवे में एमपीआरडीसी द्वारा निर्माण एजेंसी के सहयोग से रोड डिवाइडर में पौधे रोपित कराए जा रहे हैं। पूर्वी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालय में गत दिवस आयोजित कार्यक्रम में चीफ इंजीनियर प्रमा पाण्डेय तथा अन्य अधिकारियों ने फलदार पौधे रोपित किए। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड द्वारा रीवा में चिरहुला में एसएएफ मैदान तथा होमगार्ड बैरक के पास पौधे रोपित किए गए। संभाग के सभी जिलों में समारोह पूर्वक पौधे रोपित किए जा रहे हैं।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान में छात्रों ने ली शपथ

रीवा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में आयोजित किये जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के तहत शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय निर्देश पर त्योंथर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 30 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य किशोरों, युवाओं और अन्य नागरिकों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है।

शासन के उच्च शिक्षा विभाग के संयोजकत्व में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई ने संयुक्त रूप से किया। प्रदेशव्यापी अभियान में उच्च शिक्षा विभाग के साथ-साथ सामाजिक न्याय, खेल एवं युवा कल्याण, तथा स्वास्थ्य विभाग सहित कई अन्य शासकीय विभाग, स्वयंसेवी एवं धार्मिक संस्थाएं भी सक्रिय सहभागिता कर रही हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि एक चरित्रवान और विवेकशील नागरिक का निर्माण करना है। कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने अपने विचार व्यक्त किये।

सीएम हेल्पलाइन में प्रकरणों का निराकरण कर रैंकिंग सुधारें

बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों में तत्काल शुरू करें सुधार कार्य : कलेक्टर

मऊगंज। कलेक्टर कार्यालय मऊगंज सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। इसमें 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों तथा समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित आवेदनों का तत्परता से निराकरण करें। प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक

निराकरण करके विभाग की रैंकिंग सुधारें। सीएम डैशबोर्ड तथा सीएस मॉनिट से प्राप्त पत्रों का भी तीन दिवस में निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा कि जिले के कई क्षेत्रों में गत सप्ताह की भारी वर्षा में बाढ़ की स्थिति निर्मित हुई। कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण विभाग तथा जिला प्रबंधक आरडीसी क्षतिग्रस्त सड़कों में सुधार का कार्य तत्काल शुरू करें। नईगढ़ी के समीप पुल के एप्रोच रोड में मजबूती से सुधार कार्य कराएं। सभी एसडीएम बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों का सर्वे करके राहत राशि के प्रकरण प्रस्तुत करें। जिले में जर्जर शासकीय भवनों की एक सप्ताह में सूची प्रस्तुत करें। आमजन के लिए खतरनाक जर्जर भवनों को ध्वस्त करने की कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कहा कि समग्र पोर्टल पर ई केवाईसी अपडेशन की प्रगति बहुत धीमी है। सभी नगरीय निकाय और जनपद पंचायत शिविर लगाकर शेष हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेशन कराएं।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

मऊगंज। मऊगंज जिले में नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशे के विरूद्ध जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पीएमश्री शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय मऊगंज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थी स्वयं नशे की बुराई से दूर रहें तथा अन्य व्यक्तियों को भी जागरूक करें। विद्यार्थी समाज और देश का भविष्य हैं। देश के विकास में योगदान देने और स्वयं की उन्नति के लिए नशे से सदैव दूर रहें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, संयुक्त कलेक्टर राजेश मेहता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह, एसडीओपी प्राची पाठक तथा कालेज के प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सामान्य सभा की बैठक 30 जुलाई को

रीवा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक 30 जुलाई को अपरान्ह 2.30 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

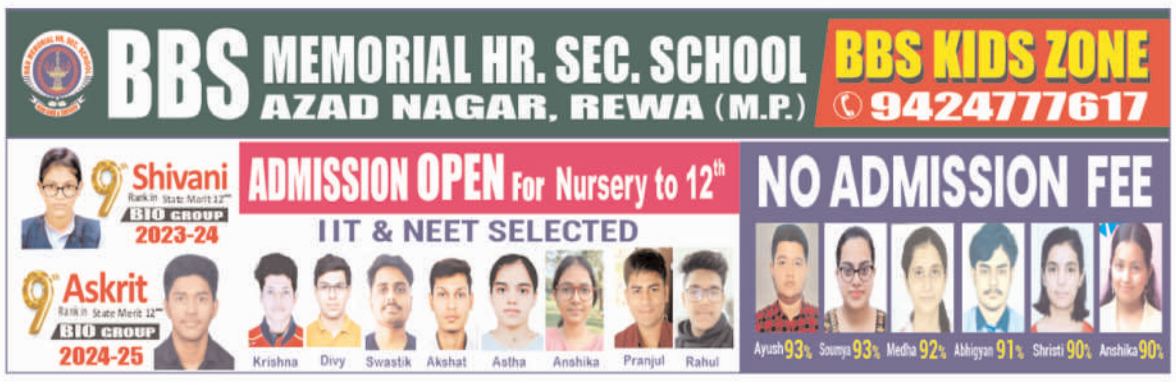

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : **MP/SDL/DN/-30/2015-17,** दूरभाष : 09424315633,7389444833